https://www.facebook.com/Kamal.Sandesh/ www.kamalsandesh.org @kamalsandeshbjp

कमल संदेश

'पांच साल फिर दीजिए,
भगा दिए जाएंगे घुसपैठिये'

वर्ष-14, अंक-10 16-31 मई, 2019 (पाक्षिक) ₹20

गांव-गांव, शहर-शहर–बह रही मोदी लहर

विशेष साक्षात्कार
लोकसभा चुनाव 2019

प्रकाश जावडेकर

मुरलीधर राव

भूपेन्द्र यादव

अरुण सिंह

बिष्णुपुर (पश्चिम बंगाल) में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह

मधुबन (बिहार) में एक चुनावी रैली के दौरान जनाभिवादन स्वीकार करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह

धनबाद (झारखंड) में एक जनसभा के दौरान भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह का स्वागत करते झारखंड भाजपा नेतागण

मोहनलालगंज (उत्तर प्रदेश) में एक चुनावी रैली को संबोधित करते केंद्रीय मंत्री श्री राजनाथ सिंह

नई दिल्ली में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सहायक संपादक
संजीव कुमार सिन्हा

संपादक मंडल सदस्य
सत्यपाल
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
मुकेश कुमार

संपर्क
फोन: +91(11) 23381428

फैक्स
फैक्स: +91(11) 23387887

ई-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com

वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मेगा रोड शो में उमड़ी काशी

लोकसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र भरने से एक दिन पहले प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 25 अप्रैल को वाराणसी पहुंचे। वहां पर उन्होंने सात किलोमीटर का लंबा मेगा रोड शो किया। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के सिंहद्वार पर महामना मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करने के साथ...

वैचारिकी

समृद्धि की मर्यादा 14

श्रद्धांजलि

गुल मोहम्मद मीर / मांगुली जेना 16

लेख

'गौरवान्वित हिंदू' होने के लिए एक आरामदायक माहौल 18

विशेष साक्षात्कार

हम 25 में से 25 सीटें जीतेंगे : प्रकाश जावडेकर 20

भाजपा कर्नाटक में जीत की नई इबारत लिखेगी और तमिलनाडु में अधिक सीटें हासिल करेगी: मुरलीधर राव 22

साल 2014 की मोदी लहर अब सुनामी बन गई है: भूपेन्द्र यादव 24

भाजपा 2014 चुनावों से भी ज्यादा सीटें जीतेगी: अरुण सिंह 26

अन्य

भाजपा को मिला कई मशहूर हस्तियों का साथ 10

'चौकीदार चोर है' टिप्पणी से जुड़े अवमानना मामले में राहुल... 12

प्रधानमंत्री ने ओडिशा में चक्रवाती तूफान फानी से प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया 17

सपा-बसपा-कांग्रेस का एक ही मंत्र— जात-पात जपना, जनता... 28

कांग्रेस ने गरीबी हटाने के केवल नारे ही दिए : अमित शाह 30

08 पांच साल फिर दीजिए, भगा दिए जाएंगे घुसपैठिये: अमित शाह

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 9 मई को बलरामपुर, सुलतानपुर, ...

09 यह नया हिन्दुस्तान है जो आतंकियों को घर में घुसकर मारेगा: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के खिलाफ आतंकवादी हमले करवाने वाले आतंकी सरगनाओं को चेतावनी देते हुए 5 मई को कहा...

11 जैश-ए-मोहम्मद का सरगना मसूद अजहर वैश्विक आतंकवादी घोषित

संयुक्त राष्ट्र ने ''जैश-ए-मोहम्मद'' सरगना मसूद अजहर को एक मई को ''वैश्विक आतंकवादी'' घोषित कर दिया। भारत के लिए...

13 आठ सबमरीन रोधी युद्धक सतही जल पोत बनाने के लिए जीआरएसई को 6300 करोड़ रुपये का ठेका

रक्षा मंत्रालय ने भारतीय नौसेना के लिए ...

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, बी-2, सेक्टर-63, नोएडा (उ.प्र.)-201307 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

twitter

@narendramodi

मेरी एक ही जाति है- गरीबी। जो महामिलावटी मेरी जाति का सर्टिफिकेट मांग रहे हैं, अच्छा हो अगर वो उतना समय जनता की सेवा में लगाएं। बुआ-बबुआ दोनों मेरे से कम समय मुख्यमंत्री रहे, पर दोनों ने अपने और अपने परिवार का खूब कल्याण किया, जनता को भूल गए।

@AmitShah

हम सबने इतने चुनाव देखे हैं पर 2019 का यह लोकसभा चुनाव पहला ऐसा चुनाव है जिसमें विपक्ष महंगाई का मुद्दा ही नहीं उठा पाया है। यह पहला चुनाव है जहां भ्रष्टाचार का मुद्दा भी गायब है। क्योंकि यह मोदी सरकार है।

@Ramlal

पहले राजीव गांधी द्वारा और अब राहुल गांधी के राजनीतिक सलाहकार सैम पित्रोदा द्वारा सिख भाइयों के संदर्भ में दिया गया बयान कांग्रेस की विकृत मानसिकता को दिखाता है। अपने 'अन्याय' पर गर्व करने वाले क्या करेंगे 'न्याय'?

facebook

जो भ्रष्ट हैं, नामदार हैं, आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के उठाये कदमों से तिलमिलाए हुए हैं। मोदी जी के साथ नामदार नहीं, आज देश के करोड़ों लोग चौकीदार बनकर साथ खड़े हैं, जो भ्रष्टों से देश को बचाने के लिए पुनः उन्हें प्रधानमंत्री पद सौंपने जा रहे हैं।

— **पीयूष गोयल**

जाति-जाति रटते वे केवल,
जिनकी पूंजी है पाखंड,
मैं क्या जानूं जाति,
जाति हैं मेरे ये भुजदंड!

आपको मोदी जी ने क्या घर, शौचालय, बिजली, गैस जाति पूछ कर दी? जिन्होंने जाति पूछी, उन्होंने तो कुछ नहीं दिया! फिर जाति के नाम पर वोट क्यों? ताला लगाइए जाति की राजनीति करने वालों की दुकानों पर!

— **योगी आदित्यानाथ**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मजबूत सरकार ने पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया और पिछड़ी जातियों के रिजर्वेशन में कोई छेड़छाड़ किए बिना सामान्य वर्ग के गरीबों को 10 फीसद रिजर्वेशन देकर सामाजिक न्याय लागू किया।

— **सुशील कुमार मोदी**

फिर बेनकाब हुए राहुल गांधी

एक बार फिर से राहुल गांधी का झूठ पकड़ा गया। बार–बार झूठ, फरेब और धोखाधड़ी की राजनीति में देश को उलझाने के प्रयास विफल हो रहे हैं। इस बार तो देश के सर्वोच्च न्यायालय ने ही राहुल गांधी को माफी मांगने के लिए मजबूर कर दिया। हालांकि, राहुल इस प्रकरण में केवल 'खेद' जताकर न्यायालय को गच्चा देना चाहते थे, परन्तु उनकी एक न चली। सर्वोच्च न्यायालय का झूठा नाम लेकर राहुल गांधी 'चौकीदार चोर है' के अपने शिगूफे से जनता को भरमाना चाहते थे, परन्तु न्यायालय ने इस बार कड़ाई से इस तरह की राजनीति को अस्वीकार कर दिया और 'खेद' की जगह माफी मांगने पर उन्हें मजबूर कर दिया। इससे यह भी स्पष्ट हो गया है कि 'राफेल' पर उठाये गये सवाल न केवल आधारहीन है, बल्कि झूठ–फरेब की राजनीति का एक घटिया उदाहरण है। यह अत्यंत दुर्भाग्यजनक है कि बार–बार झूठ–फरेब एवं धोखाधड़ी की राजनीति के बेनकाब होने के बाद भी कांग्रेस इसी तरह की राजनीति का सहारा लेकर सत्ता में आना चाहती है। इससे न केवल देश के राजनैतिक वातावरण में गिरावट आई है, बल्कि कांग्रेस की विश्वसनीयता अब पूरी तरह से खत्म हो चुकी है। राजनीति में कितने हद तक गिरा जा सकता है, इस संबंध में नये–नये मानदंड स्थापित करना अब शायद राहुल गांधी की आदत बन चुकी है।

यह पहली बार नहीं है कि राहुल गांधी ने न्यायालय में माफी मांगी है। इसके पूर्व भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विरुद्ध दुर्भावनापूर्ण झूठा बयान देने पर उन्होंने न्यायालय में माफी मांगी थी, परंतु बाद में राजनैतिक कारणों से पीछे हट गए। यह मामला अभी भी न्यायालय में चल रहा है और इसमें आश्चर्य नहीं होगा कि एक दिन वे इसी प्रकार न्यायालय में पुनः क्षमा याचना करेंगे। यह अत्यंत दुर्भाग्यजनक है कि कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद भी राहुल गांधी झूठ एवं फरेब की राजनीति में लगे हुए हैं तथा अनर्गल बयानबाजी कर जनता को निरंतर दिग्भ्रमित करने के प्रयास में लगे रहते हैं। उन्हें समझना चाहिए कि अभी वे जमानत पर हैं और इस तरह का आचरण कभी भी उनके लिए महंगा सौदा बन सकता है।

यह अत्यंत दुर्भाग्यजनक है कि बार–बार झूठ–फरेब एवं धोखाधड़ी की राजनीति के बेनकाब होने के बाद भी कांग्रेस इसी तरह की राजनीति का सहारा लेकर सत्ता में आना चाहती है। इससे न केवल देश के राजनैतिक वातावरण में गिरावट आई है, बल्कि कांग्रेस की विश्वसनीयता अब पूरी तरह से खत्म हो चुकी है।

इन दिनों कांग्रेस केवल 'मी–टू', 'मी–टू' की राजनीति कर देश की जनता को भरमाना चाहती है। यह अति विचित्र बात है कि जब हमारे जांबाज जवानों ने दुश्मन के गढ़ों पर 'सर्जिकल स्ट्राईक' एवं हवाई हमले किए तब तो कांग्रेस उनकी विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े कर रही थी और जब कई तरह के प्रमाण सामने आने लगे तब 'मी–टू'–'मी–टू' करते हुए यह जताने लगी इसके पूर्व उसके शासन में भी ऐसे ही सैन्य कार्रवाइयां हुई थी। अब जबकि मसूद अजहर को संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंतरराष्ट्रीय आतंकी घोषित कर दिया गया है, कांग्रेस हास्यास्पद ढंग से कह रही है कि इसकी प्रक्रिया यूपीए शासन में शुरू हुई थी। मोदी सरकार ने देश के हर क्षेत्र में जो अद्भुत उपलब्धियों का अंबार लगा दिया है, उस पर भी कांग्रेस का दावा है कि ये सब उसी की पहल थीं। राहुल गांधी शायद यह समझ नहीं पा रहे कि इस प्रकार की हास्यास्पद बातें कर वे जनता में कांग्रेस को मजाक का पात्र बना रहे हैं। यह कांग्रेस की सोच में उस सुविधा को दर्शाता है जिसमें एक ओर तो मोदी सरकार की सारी उपलब्धियों पर वह दावा ठोकना चाहती है, वहीं दूसरी ओर झूठ–फरेब की राजनीति कर सरकार पर मनगढ़न्त आरोपों से जनता को भरमाना चाहती है। इस प्रकार का अंतर्विरोध एवं झूठ–फरेब के राजनीति के कारण कांग्रेस की विश्वसनीयता जनता में अब पूरी तरह से खत्म हो चुकी है और वह पूरी तरह हाशिए पर चली गई है।

लोकसभा चुनाव 2019 अपने आप में एक ऐतिहासिक चुनाव साबित हो रहा है। यह भारत के पूरे राजनैतिक परिदृश्य में जहां एक ओर नए प्रतिमान गढ़ने वाला है, वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व में एक नए भारत के उदय का आगाज कर रहा है। साथ–ही यह इस परिवर्तन को भी रेखांकित कर रहा है कि सुशासन एवं विकास के मंत्र को जातिवाद, क्षेत्रवाद एवं मजहब के विभाजक नारों से नहीं हराया जा सकता है। यह एक आत्मविश्वास से भरे सुदृढ़ भारत के अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में उभरने का पथ प्रशस्त कर रही है, जो पूरे विश्व में अपनी छाप छोड़ रही है। पूरे देश में गरीब, किसान, युवा, महिला, अनु.जा., अनु.ज.जा., मध्यम वर्ग तथा लगभग पूरा देश एक सुनहरे भविष्य के लिए श्री नरेन्द्र मोदी को दोबारा प्रधानमंत्री बनाने के लिए अपने मतों का प्रयोग कर रहा है। पूरी दुनिया के राजनैतिक पंडित इस बार के 'प्रो–इन्कम्बेंसी' लहर के परिणाम से अचंभित हो रहे हैं। इतना जबरदस्त समर्थन है प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति कि कांग्रेस एवं इसके सहयोगी दल के पांव उखड़ चुके हैं और वे झूठ–फरेब की राजनीति में ही उम्मीद तलाश रहे हैं। परन्तु इस राजनीति का भी अब पर्दाफाश हो चुका है देश की जनता पुनः कांग्रेस को एक कड़ा पाठ पढ़ाने का मन बना चुकी है। ■

shivshakti@kamalsandesh.org

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मेगा रोड शो में उमड़ी काशी

प्रधानमंत्री ने वाराणसी से दुबारा नामांकन पत्र भरा

लोकसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र भरने से एक दिन पहले प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 25 अप्रैल को वाराणसी पहुंचे। वहां पर उन्होंने सात किलोमीटर का लंबा मेगा रोड शो किया। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के सिंहद्वार पर महामना मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करने के साथ शुरू हुए इस रोड शो में लाखों लोगों ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया। इस दौरान पूरी काशी रोड शो के रूट पर ही नजर आई।

शंख ध्वनि के बीच निकले प्रधानमंत्री के रोड शो में धर्म और संस्कृति का अनूठा संगम और उत्साह दिखा। पूरे रास्ते गगनभेदी हर-हर महादेव उद्घोष गूंजता रहा। रोड शो में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री श्री जेपी नड्डा, उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री महेंद्र नाथ पांडेय, दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री मनोज तिवारी समेत अनेक वरिष्ठ नेताओं ने भी हिस्सा लिया।

रोड शो दशाश्वमेध घाट पर आकर जब समाप्त हुआ तो श्री मोदी ने करबद्ध होकर मां गंगा को नमन किया और गंगा आरती की। गंगा आरती में श्री मोदी के अलावा भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री महेंद्र नाथ पांडेय ने भी हिस्सा लिया।

नामांकन पत्र भरा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नामांकन पत्र भरने से पहले काल भैरव के मंदिर में पूजा की और कार्यकर्ताओं को संबोधित भी किया। श्री मोदी ने राजग और भाजपा के तमाम वरिष्ठ नेताओं के साथ 26 अप्रैल को अपना नामांकन पत्र भरा। नामांकन पत्र भरते समय भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री सर्व श्री राजनाथ सिंह, श्री नितिन गडकरी, श्रीमती सुषमा स्वराज, श्रीमती निर्मला सीतारमण, श्री पीयूष गोयल, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, शिवसेना प्रमुख श्री उद्धव ठाकरे, अकाली दल के नेता श्री प्रकाश सिंह बादल, बिहार के मुख्यमंत्री और जदयू नेता श्री नीतीश कुमार, लोजपा नेता श्री रामविलास पासवान और अपना दल की नेता सुश्री अनुप्रिया पटेल के अलावा राजग और भाजपा के अनेक वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

इतिहास में पहला ऐसा चुनाव जिसमें सत्ता के पक्ष में लहर

अपना नामांकन पत्र दाखिल करने से पूर्व प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 26 अप्रैल को कहा कि इस बार देश प्रो इन्कम्बेंसी वेव (सत्ता के पक्ष में लहर) देख रहा है और देश के इतिहास का यह इस तरह का पहला चुनाव है।

उन्होंने कहा कि जनता ने मन बना लिया है। इतिहास का पहला मौका है कि इस तरह का चुनाव लड़ा जा रहा है। श्री मोदी ने कहा कि हमारे देश में इतने चुनाव हुए हैं...चुनाव होने के बाद राजनीतिक पंडितों को अपनी माथापच्ची करनी पड़ेगी कि आजादी के बाद इतने चुनावों में...इस बार देश प्रो इन्कम्बेंसी वेव (सत्ता के पक्ष में लहर) देख रहा है।

उन्होंने कहा कि जनता हमें जितना प्यार दे रही है, उसके प्रति हमें हर पल आभार जताना है। कार्यकर्ता का परिश्रम और प्रजा का प्रेम ऐसा अद्भुत संगम कल था। उसी में से दिव्यता की अनुभूति होती है। उन्होंने साथ ही कहा कि राजनीति में प्रेम और दोस्ती खत्म हो रही है, जिसे वापस लाना है।

श्री मोदी ने वाराणसी में 1819 बूथ अध्यक्षों और 226 सेक्टर प्रमुखों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें नम्रता के साथ चुनाव लड़ना है... आप मोदी के सिपाही हैं। टीवी और भाषण में जो हम झगड़ा करते हैं उससे प्रेरणा मत लीजिए। उन्होंने कहा कि दोस्ती और प्रेम राजनीति में जो खत्म हो रहा है, उसे वापस लाना है। कोई मोदी को कितनी भी भद्दी गाली दे, आप चिन्ता मत करो।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आप भी, जिसको जो गाली देनी है, वो सारी मोदी के खाते में पोस्ट कर दो। मैं गंदी से गंदी चीज से भी खाद बनाता हूं। कितना ही गंदा कूड़ा कचरा हो, मैं उसमें खाद बनाता हूं और उसी से कमल खिलाता हूं। उन्होंने कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि कल जो दृश्य मैं देख रहा था, उसमें मुझे आपके परिश्रम की, आपके पसीने की महक आ रही थी। डगर-डगर मैं अनुभव करता था कि काशी के मेरे कार्यकर्ताओं ने इतनी भयंकर गर्मी में घर-घर जाकर सबसे आशीर्वाद मांगा। मैं भी बूथ का कार्यकर्ता रहा हूं। मुझे भी दीवारों पर पोस्टर लगाने का सौभाग्य मिला है।

उल्लेखनीय है कि 25 अप्रैल को श्री मोदी ने वाराणसी में रोड शो किया, जिसमें लाखों लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा।

श्री मोदी ने कहा कि मैं पूरे देश का चुनाव देख रहा हूं। देश की जनता पांच साल के अनुभव के आधार पर अनेक आशाएं, अपेक्षाएं और आकांक्षाएं लेकर हमसे जुड़ गयी है। ये बहुत बड़ा सौभाग्य है।

इसने पूरे देश के राजनीतिक चरित्र को बदल दिया है क्योंकि पहले सरकारें बनती थीं। लोग सरकारें बनाते थे...सरकार चलती है, लोगों ने ये भी देखा है। सरकार चलाना हमारी जिम्मेदारी है और जनता सरकार बनाती है।

उन्होंने कहा कि मेरे भीतर के कार्यकर्ता को मैंने कभी मरने नहीं दिया। प्रधानमंत्री के रूप में मैं जिम्मेदारी निभा पा रहा हूं। प्रधानमंत्री होने के नाते जो दायित्व है, मैं उसमें सजग हूं लेकिन एमपी के नाते जो जिम्मेदारी है, उसमें भी सजग हूं और भाजपा कार्यकर्ता के रूप में भी उतना ही। कार्यकर्ता के नाते ये आपने मुझे सिखाया है। ■

पांच साल फिर दीजिए, भगा दिए जाएंगे घुसपैठिये: अमित शाह

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 9 मई को बलरामपुर, सुलतानपुर, सिद्धार्थनगर और संतकबीर नगर में पार्टी के प्रत्याशियों के समर्थन मे जनसभाओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न मुद्दों पर कांग्रेस और सपा-बसपा पर जमकर निशाना साधा। भाजपा सरकार की उपलब्धियों को इंगित करते हुए उन्होंने कहा कि आज देश में सिर्फ एक ही नारा चल रहा है... मोदी, मोदी, मोदी..। यह देश के हर नौजवानों के दिल से निकली आवाज है। उन्होंने कहा कि पांच साल फिर दीजिए, यकीन दिलाता हूं कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक जहां भी घुसपैठिए होंगे, भगा दिए जाएंगे।

सिद्धार्थनगर जिला मुख्यालय पर डुमरियागंज से भाजपा प्रत्याशी श्री जगदम्बिका पाल के समर्थन में आयोजित जनसभा में श्री शाह ने कहा कि 297 संसदीय क्षेत्र का भ्रमण कर चुका हूं, एनडीए की सरकार बन रही है। चिलचिलाती धूप में यहां भी यह भीड़ बता रही है कि कमल खिल चुका है। उन्होंने कहा कि इतिहास में आज तक जो काम मोदीजी ने कर दिखाया, वह काम राहुल बाबा या मौनी बाबा की सरकार ने कभी नहीं किया। पुलवामा में 40 जवानों की जान गई, हमने उन्हें बता दिया कि मोदी का सीना 56 इंच का है। भाजपा ही आतंकवाद का मुंहतोड़ जवाब देना जानती है।

संतकबीर नगर में भाजपा प्रत्याशी श्री प्रवीन निषाद के पक्ष में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि सवर्णों को दस फीसद आरक्षण विकास की कड़ी है। यह आरक्षण पिछड़ों का कोटा काटे बगैर दिया गया है। उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस व सपा-बसपा द्वारा मोदी के खिलाफ हर तरह की गाली का प्रयोग किया जा रहा है। पर उन्हें नहीं मालूम कि वह गालियों का कीचड़ जितना फैलाएंगे, कमल उतनी ही मजबूती से खिलेगा।

बलरामपुर और सुलतानपुर में जनसभाओं को संबोधित करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि सपा, बसपा व कांग्रेस आतंकवादियों से ईलू-ईलू करते हैं। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी के दोबारा प्रधानमंत्री बनते ही कश्मीर से धारा 370 उखाड़ फेकेंगे, जो देश विरोधी नारा लगाएगा वह जेल जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, सपा-बसपा ने सब ने सिर्फ वोट बैंक की राजनीति की, लेकिन भाजपा हमेशा राष्ट्रवाद की राजनीति करती है।

उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस की सरकार थी तो आतंकी घुसपैठ कर जवानों के सिर काट ले जाते थे। मौनी बाबा की सरकार चुप रहती थी। वहीं, पुलवामा घटना में 40 जवानों की शहादत के बाद हमारे प्रधानमंत्री मोदी ने इसका मुंहतोड़ जवाब दिया और वायुसेना को भेजकर पाक में अंदर आतंकवादियों को ठिकाने लगवा दिया। जिसके बाद पूरे देश में खुशी मनाई गई, लेकिन पाकिस्तान व सपा-बसपा एवं कांग्रेस कार्यालयों में सन्नाटा था। राहुल, माया व अखिलेश के चेहरे का नूर गायब था, क्योंकि उनका वोट बैंक नाराज हो गया था।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में गुंडाराज खत्म हो गया है। योगी आदित्यनाथ की सरकार ने अपराधियों को उलटा लटका दिया है। गोमाता की रक्षा के लिए अवैध कत्लखाने बंद करवा दिए। ■

यह नया हिन्दुस्तान है जो आतंकियों को घर में घुसकर मारेगा: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के खिलाफ आतंकवादी हमले करवाने वाले आतंकी सरगनाओं को चेतावनी देते हुए 5 मई को कहा कि यह नया हिन्दुस्तान है जो उनके घर में घुसकर मारेगा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सागर (मध्य प्रदेश) में एक जनसभा में कहा कि कांग्रेस की कमजोर सरकार के समय देश में आतंकवादी हमले हुए और उस समय की हमारी सरकार दुनिया भर में पाकिस्तान को दोष देकर इस पर रोती रहती थी। लेकिन भाजपा की अगुवाई वाली मजबूत राजग सरकार राष्ट्र रक्षा के लिये एक पुख्ता रणयुद्ध के साथ मैदान में है और यह चौकीदार पूरी तरह चौकन्ना है। आतंक के आकाओं को अब स्पष्ट हो गया है कि नया हिन्दुस्तान अब घर में घुसकर मारता है।

उन्होंने कहा कि हम केवल शहीदों के लिये 'अमर रहो' के नारे लगाकर चुप नहीं हो जायेंगे। शहीदों की खून की एक-एक बूंद का बदला लेने की यह चौकीदार शपथ लेकर आया है। मुझे आपका (जनता) आशीर्वाद चाहिये।

श्री मोदी ने कहा कि पाकिस्तान के सुपर लाडले आतंकी मसूद अजहर पर प्रतिबंध लगा है। दुनिया के देशों ने भारत की बात मानकर पाकिस्तान के मुंह पर चांटा मारा है, लेकिन यह तो शुरुआत है। अभी हिसाब बाकी है। मसूद अजहर हो या हाफिज सईद हो या पाकिस्तान में पल रहे दूसरे आतंकी हों, इनका हिसाब 130 करोड़ भारतीयों को चुकता करना है। अब पाकिस्तान को तय करना है कि उसको कौन सा रास्ता चाहिये।

कांग्रेस अध्यक्ष श्री राहुल गांधी द्वारा उन पर लगाये गये भ्रष्टाचार के आरोपों पर श्री मोदी ने कहा कि सच सामने आ ही गया है। कांग्रेस के नामदार ने स्वीकार कर लिया है कि मोदी पर जो आरोप लगाये जा रहे थे, जो हमले किये जा रहे थे, उसका एकमात्र लक्ष्य मोदी की छवि पर दाग लगाना था।

श्री मोदी ने कहा कि उन्होंने (राहुल) खुद कल एक इंटरव्यू में बोल दिया है। तभी तो मैं कहता हूं कि मैं अकेला नहीं हूं। मेरे साथ ईश्वर हैं। अरे नामदार, जिसका कण-कण मां भारती ने खड़ा किया हो उस पर जितना कीचड़ उछालोगे, उतने ज्यादा कमल खिलेंगे।

श्री राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए श्री मोदी ने कहा कि नामदार ने इंग्लैंड में एक कंपनी बनाई जिसका नाम भी उनके कारनामों से मिलता जुलता था। बैकआप्स यानी बैकआफिस आपरेशन्स। ये कभी सामने से काम नहीं करते, परदे के पीछे से आपरेशन्स करते हैं। इस कंपनी को 2009 में बंद कर दिया गया। लेकिन अब पता चला कि

कंपनी में नामदार के भागीदार को 2011 में भारत सरकार से पनडुब्बी बनाने का ठेका मिला था।

श्री मोदी ने कहा कि सरकार उनकी और कभी ये कंपनी भी उनकी थी। कंपनी का मालिक उनका दोस्त था, अब कांग्रेस के नामदार से जनता पूछ रही है कि आपको, आपके भागीदार को सिर्फ दलाली और लाइंजनिंग का अनुभव था। यह पनडुब्बी बनाने वाली लाइन में आप कैसे घुस गये, किसने मौका दिया।

श्री मोदी ने कहा कि जब से ये कारनामा सामने आया है, तबसे नामदार और सारे राग दरबारी कोपभवन में चले गये हैं। उन्होंने कहा कि बोफोर्स तोप, हेलीकाप्टर और अब पनडुब्बी जितना खोदोगे। जल हो, थल हो, नभ हो, नामदारों की घोटाले के सूत्र खुलते ही जा रहे हैं और मिशेल मामा तो अभी राज उगल ही रहा है। श्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस का मतलब ही झूठ, प्रपंच और धोखा है।

बुनियादी सुविधाओं के मामले में देश में पिछड़ेपन के लिये कांग्रेस को गुनहगार ठहराते हुए श्री मोदी ने कहा कि शौचालय, गरीबों को पक्के मकान, हर घर में बिजली, रसोई गैस, बैंक खाते, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और हर गांव को रोड जैसी सुविधाएं आजादी के 25 साल में ही मिल जानी चाहिये थी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आने के बाद हम इन सुविधाओं के लिये दिन-रात लगे हुए हैं। ■

भाजपा को मिला कई मशहूर हस्तियों का साथ

भारतीय जनता पार्टी को फिल्मी दुनिया की कई मशहूर हस्तियों का साथ मिला। अभिनेत्री पूनम ढिल्लो, निर्माता-निदेशक बोनी कपूर और द ग्रेट खली समेत कई मशहूर हस्तियों ने भाजपा को समर्थन देने की घोषणा की। इसके लिए नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में 5 मई को सभी सितारे एकजुट हुए।

इस अवसर पर बोनी कपूर, निर्माता, जयाप्रदा, अभिनेत्री, प्रहलाद कक्कड़, विज्ञापन फिल्म निर्देशक, पूनम ढिल्लो, अभिनेत्री, बाबुल सुप्रियो, गायक, साइ कुमार, अभिनेता, बाबू मोहन, अभिनेता, मनोज तिवारी, गायक, कविता, अभिनेत्री, माधवी लता, अभिनेत्री, तारा वेणुगोपाल, अभिनेत्री, श्रुति, अभिनेत्री, मालविका, अभिनेत्री, पदमावती सुरेश (मेनका), अभिनेत्री, जलजा कुमारी, अभिनेत्री, गोपाकुमारन नायर एमआर, अभिनेता, राहुल रावेल, निर्देशक, साजन राज कुरुप, विज्ञापन फिल्म निर्देशक, हीतू कनोडिया, अभिनेता, भानुचंद्र, अभिनेता, गजेन्द्र चौहान, अभिनेता, कुट्टी पदमिनी, अभिनेत्री, तिरुपुरेनी वाराप्रसाद, निर्देशक, केवीएम शर्मा, निर्देशक, रमानी आर. भारद्वाज, निर्देशक, गौतम राजू, अभिनेता, गीता सिंह, अभिनेत्री, गजेन्द्र सोलंकी, लेखक, मनोज जोशी, अभिनेता, चंद्रप्रकाश द्विवेदी, अभिनेता, वाणी त्रिपाठी, अभिनेत्री, दिलीप सिंह राणा (खली), पहलवान एवं अभिनेता, भारत बाला, निर्देशक, मालिनी अवस्थी, गायिका, पवन सिंह, अभिनेता, सपना चौधरी, गायिका, खेसारीलाल यादव, गायक, युवराज हंस, गायक, नवराज हंस, गायक मौजूद रहे।

इस मौके पर केन्द्रीय विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज, भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री रामलाल, भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री श्री अरुण सिंह समेत भाजपा के कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। ■

जैश-ए-मोहम्मद का सरगना मसूद अजहर वैश्विक आतंकवादी घोषित

संयुक्त राष्ट्र ने ''जैश-ए-मोहम्मद" सरगना मसूद अजहर को एक मई को ''वैश्विक आतंकवादी" घोषित कर दिया। भारत के लिए यह एक बड़ी कूटनीतिक जीत है। दरअसल, भारत ने इस मुद्दे पर पहली बार एक दशक पहले इस वैश्विक संस्था का रूख किया था।

संरा (यूएन) सुरक्षा परिषद की प्रतिबंध समिति के तहत पाकिस्तानी आतंकी संगठन के सरगना को ''काली सूची" में डालने के एक प्रस्ताव पर चीन द्वारा अपनी रोक हटा लिए जाने के बाद संयुक्त राष्ट्र ने यह घोषणा की। प्रतिबंध समिति ने अपना फैसला सदस्यों की आम राय से लिया।

संरा समिति ने एक मई 2019 को अजहर को अलकायदा से संबद्ध के तौर पर सूचीबद्ध किया। जैश ए मोहम्मद का सहयोग करने का संकेत देने वाली गतिविधियों के लिए धन जुटाने, योजना बनाने, उसे प्रोत्साहित करने, तैयारी करने या हथियारों की आपूर्ति करने या आतंकी हरकतों के लिए भर्तियां करने को लेकर उसे इस सूची में डाला गया है।

संयुक्त राष्ट्र के इस कदम के बाद अब अजहर की संपत्ति जब्त हो सकेगी और उस पर यात्रा प्रतिबंध तथा हथियार संबंधी प्रतिबंध लग सकेगा। यह प्रतिबंध लगाए जाने पर संगठन या व्यक्ति की संपत्ति और अन्य वित्तीय संपत्ति या आर्थिक संसाधनों को जब्त किए जाने का कार्य सभी देशों द्वारा बगैर किसी विलंब के करने की जरूरत होती है।

गौरतलब है कि अजहर को वैश्विक आतंकवादी घोषित कराने के लिए पिछले 10 साल में संयुक्त राष्ट्र में लाया गया यह ऐसा चौथा प्रस्ताव था। सबसे पहले 2009 में भारत ने प्रस्ताव लाया था। फिर 2016 में भारत ने अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस के साथ मिलकर संयुक्त राष्ट्र की 1267 प्रतिबंध परिषद के समक्ष दूसरी बार प्रस्ताव रखा।

इन्हीं देशों के समर्थन के साथ भारत ने 2017 में तीसरी बार यह प्रस्ताव लाया। हालांकि इन सभी मौकों पर चीन ने प्रतिबंध समिति द्वारा इस प्रस्ताव को स्वीकार किए जाने में अड़ंगा डाल दिया। अजहर को वैश्विक आतंकी घोषित कराने के अंतरराष्ट्रीय दबाव के मद्देनजर फ्रांस और ब्रिटेन के समर्थन से अमेरिका ने सीधे सुरक्षा परिषद में एक मसौदा प्रस्ताव लाया था।

संयुक्त राष्ट्र की प्रधान इकाई में राजनयिकों ने यह चेतावनी थी कि यदि चीन ने अजहर को वैश्विक आतंकी घोषित कराने में अड़ंगा डालना जारी रखा, तो सुरक्षा परिषद के जिम्मेदार सदस्य देश अन्य कार्रवाई करने के लिए मजबूर होंगे।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि सैयद अकबरूद्दीन ने ट्वीट किया, ''बड़े, छोटे, सभी एकजुट हुए। मसूद अजहर को संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंध सूची में आतंकवादी घोषित किया गया है। समर्थन करने के लिए सभी का आभार।"

अकबरूद्दीन ने कहा कि यह हमारे लिए एक महत्वपूर्ण परिणाम है, क्योंकि हम इसके लिए कई बरसों से जुटे हुए थे। इस सिलसिले में पहली बार 2009 में कोशिश की गई थी। हाल फिलहाल में हमने इस लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में अपनी सारी कोशिशें की। आज यह लक्ष्य हासिल हो गया।

उन्होंने कहा, ''कुल मिलाकर यह खुशी का दिन है, उन सबों को लिए अच्छा दिन है जो आतंकवाद को तनिक भी बर्दाश्त नहीं करने के रूख को आगे बढ़ना चाहते हैं।"

अजहर को वैश्विक आतंकवादी घोषित करने के संरा के कदम पर पाकिस्तान विदेश कार्यालय के प्रवक्ता मोहम्मद फैसल ने कहा कि पाकिस्तान अजहर पर लगे प्रतिबंधों को फौरन लागू करेगा।

वहीं, बीजिंग में चीनी विदेश मंत्रालय प्रवक्ता गेंग शुआंग ने कहा कि बीजिंग ने संशोधित विषय वस्तु का सावधानी से अध्ययन करने के बाद उसे सूचीबद्ध करने में कोई ऐतराज नहीं पाए जाने के बाद तकनीकी रोक हटा ली।

अमेरिका ने संरा के कदम का स्वागत करते हुए पाकिस्तान से आतंकवाद के खिलाफ सतत कार्रवाई करने और अपने अंतराष्ट्रीय दायित्वों को निभाने की मांग की है।

फ्रांस के एक अधिकारी ने कहा कि पेरिस भी इस कदम का स्वागत करता है और यह उसकी कोशिशों को सफल होने का संकेत है। ■

मसूद अजहर को संयुक्त राष्ट्र द्वारा आतंकवादी घोषित करने पर आखिरकार विश्व में सहमति बनी यह संतोष का विषय है। देर आये दुरुस्त आये। आतंकवाद के खिलाफ संघर्ष में और आतंकवाद को जड़ से उखाड़ने के लिए लंबे समय से भारत जो प्रयास कर रहा था, ये उसकी बहुत बड़ी सफलता है।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर को संयुक्त राष्ट्र द्वारा वैश्विक आतंकी घोषित किए जाने का श्रेय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और उनके कूटनीतिक प्रयासों को जाता है। यह आतंकवाद के प्रति प्रधानमंत्री श्री मोदी के जीरो टॉलरेंस की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

अमित शाह, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष

मसूद अजहर को वैश्विक आतंकवादी घोषित होने का घटनाक्रम

पाकिस्तान में सक्रिय जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर को एक मई को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने वैश्विक आतंकवादी घोषित कर दिया। अजहर का आतंकवादी समूह 2000 में अस्तित्व में आया था। उसने भारत में पुलवामा आतंकवादी हमले सहित कई आतंकवादी हमलों की जिम्मेदारी ली है।

अजहर से जुड़े मुख्य घटनाक्रम इस प्रकार हैं:-

2009: भारत ने अजहर को वैश्विक आतंकवादी घोषित करने के लिए एक प्रस्ताव पेश किया, जिससे उसके विश्व में कहीं भी यात्रा करने पर प्रतिबंध लग जाता, उसकी संपत्ति पर रोक लग जाती और उस पर हथियार संबंधी पांबदी भी लागू होती। लेकिन चीन ने इस कदम को रोक लगा दी।

2016: भारत ने एक बार फिर पी3 (अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस) के समर्थन के साथ संयुक्त राष्ट्र की 1267 प्रतिबंध समिति में अजहर पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव पेश किया।

2017: पी3 देशों ने भी ऐसा ही एक प्रस्ताव पेश किया, लेकिन सुरक्षा परिषद में वीटो प्राप्त चीन ने फिर इस प्रस्ताव को पारित नहीं होने दिया।

27 फरवरी 2019: अमेरिका, ब्रिटेन फ्रांस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अजहर को वैश्विक आतंकवादी घोषित करने के लिए एक नया प्रस्ताव पेश किया।

13 मार्च 2019: जैश प्रमुख को काली सूची में डालने के प्रयास को एक बार फिर चीन ने पूरा नहीं होने दिया। अजहर को एक वैश्विक आतंकवादी घोषित कराने का पिछले 10 वर्ष में यह चौथा प्रयास था।

28 मार्च 2019: अमेरिका ने फ्रांस और ब्रिटेन के समर्थन से पाकिस्तान में सक्रिय आतंकवादी समूह के प्रमुख को काली सूची में डालने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सीधे एक मसौदा प्रस्ताव पेश किया।

3 अप्रैल 2019: अमेरिका की जैश प्रमुख को वैश्विक आतंकवादी घोषित कराने के लिए ''मौजूद सभी साधनों'' का इस्तेमाल करने की धमकी पर चीन ने कहा कि वॉशिंगटन मामले को उलझा रहा है और यह दक्षिण एशिया में शांति एवं स्थिरता के लिए सही नहीं है।

30 अप्रैल 2019: चीन ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा अजहर को वैश्विक आतंकवादी घोषित करने की प्रक्रिया में ''कुछ प्रगति'' हुई है और उसे उम्मीद है कि यह विवादस्पद मुद्दा ''ठीक तरह से हल'' होगा ।

1 मई 2019: चीन के अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस के प्रस्ताव पर से रोक हटाने के बाद 1267 प्रतिबंध समिति ने अजहर को एक वैश्विक आतंकवादी घोषित कर दिया। ■

'चौकीदार चोर है' टिप्पणी से जुड़े अवमानना मामले में राहुल गांधी ने बिना शर्त मांगी माफी

राफेल लड़ाकू विमान प्रकरण से संबंधित एक मामले में उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद 'चौकीदार चोर है' टिप्पणी में शीर्ष अदालत का गलत हवाला देने के सिलसिले में कांग्रेस अध्यक्ष श्री राहुल गांधी ने शीर्ष अदालत से 8 मई को बिना शर्त माफी मांगी।

श्री राहुल गांधी ने नये हलफनामे में न्यायालय से अपने कथन के लिये क्षमा याचना करने के साथ ही भाजपा सांसद श्रीमती मीनाक्षी लेखी द्वारा उनके खिलाफ दायर आपराधिक अवमानना याचिका बंद करने का भी अनुरोध किया। राफेल मुद्दे को लेकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधने के लिए श्री गांधी ने कहा था कि अब तो शीर्ष अदालत ने भी कह दिया 'चौकीदार चोर है।'

कांग्रेस अध्यक्ष ने अपने हलफनामे में कहा कि गांधी गलत तरीके से अदालत का हवाला देने को लेकर बिना शर्त माफी मांगते हैं। वह यह भी कहते हैं कि उनके द्वारा दिया गया हवाला पूरी तरह बगैर किसी मंशा के अंजान में असावधानी वश हुआ। हलफनामे में कहा गया है कि गांधी सम्मानपूर्वक न्यायालय से प्रार्थना करते हैं कि इस हलफनामे को स्वीकार किया जाये और अवमानना की मौजूदा कार्रवाई को बंद किया जाये। ■

आठ सबमरीन रोधी युद्धक सतही जल पोत बनाने के लिए जीआरएसई को 6300 करोड़ रुपये का ठेका

रक्षा मंत्रालय ने भारतीय नौसेना के लिए आठ सबमरीन रोधी युद्धक सतही जल पोत (एएसडब्ल्यूएसडब्ल्यूसी) बनाने के लिए गार्डन रिच शिप बिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) को ठेका दिया है। यह ठेका 6,311.32 करोड़ रुपये का है। इस पर रक्षा मंत्रालय की ओर से संयुक्त सचिव और खरीद प्रबंधक (मैरीटाइम प्रणाली) श्री रविकांत तथा जीआरएसी की ओर से श्री एस.एस. डोगरा निदेशक (वित्त) ने हस्ताक्षर किए।

भारतीय नौसेना ने अप्रैल 2014 में डीपीएसयू शिपयार्ड तथा इंडिया प्राइवेट शिपयार्ड को आरएफपी जारी किया और इसमें आठ एएसडब्ल्यूएसडब्ल्यूसी बनाने तथा सप्लाई के लिए जीआरएसई ने सफल बोली लगाई। ठेके पर हस्ताक्षर करने की तिथि से 42 महीने के अंदर पहला जहाज दिया जाएगा और बाकी जहाजों की डिलीवरी प्रति वर्ष दो जहाज के हिसाब से की जाएगी। परियोजना पूरी होने की अवधि आज से 84 महीने की होगी। पी17ए परियोजना के अंतर्गत भारतीय नौसेना के लिए अभी जीआरएसई तीन राडार से बचने वाले पोत बनाने का कार्य कर रही है।

जीआरएसई देश के लिए युद्धक जहाज बनाती है। 1960 में डीपीएसयू के रूप में जीआरएसई ने अब तक सबसे अधिक लड़ाकू जहाज बनाए हैं। अब तक बनाए गए एक सौ लड़ाकू पोतों में एडवांस जहाज सबमरीन रोधी युद्धक जलपोत फ्रेगट टैंकर, फास्ट अटैक

पोत शामिल हैं। वर्तमान परियोजना से जीआरएसई की स्थिति और मजबूत होगी।

सतही जल में कार्य करने वाले सबमरीन रोधी जलपोत 750 टन भार के होंगे और इसकी गति 25 नॉट होगी। इसके अतिरिक्त इन जहाजों की क्षमता तटीय जल में सतही लक्ष्यों को भेदने की होगी। ये जहाज अत्याधुनिक होंगे और इनमें प्रोपल्सन मशीनरी, सहायक मशीनरी, विद्युत उत्पादन और वितरण मशीनरी तथा क्षति नियंत्रण मशीनरी शामिल होगी।

जीआरएसई में इन जहाजों का डिजाइन और निर्माण भारत सरकार की मेक इन इंडिया का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। ■

अप्रैल 2019 मे जीएसटी का सर्वाधिक संग्रह

कुल राजस्व संग्रह 1,13,865 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर

अप्रैल महीने में वस्तु एंव सेवा कर – जीएसटी का कुल राजस्व संग्रह 1,13,865 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। इसमें केंद्रीय जीएसटी संग्रह 21,163 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) 28,801 करोड़ रुपये, एकीकृत जीएसटी 54,733 करोड़ रुपये (आयात पर एकत्रित 23,283 करोड़ रुपये सहित) और 9168 करोड़ रुपये उपकर (आयात पर एकत्रित 1053 करोड़ रुपये सहित) रहा। 30 अप्रैल तक मार्च महीने के लिए कुल 72.13 लाख संक्षिप्त बिक्री रिटर्न जीएसटीआर-बी दायर किए गए।

सरकार ने नियमित निपटान के तहत आईजीएसटी से 20,370 करोड़ रुपये का सीजीएसटी और 15,975 करोड़ रुपये का एसजीएसटी का निपटान किया। इसके अलावा केंद्र के पास अस्थायी आधार पर बचे 12 हजार करोड़ रुपये के आईजीएसटी का 50:50 अनुपात में केंद्र और राज्यों के बीच निपटान किया गया। नियमित और अस्थायी आधार पर किए गए निपटान के बाद अप्रैल 2019 में केंद्र और राज्य सरकारों को 47,533 करोड़ रुपये का सीजीएसटी राजस्व मिला, जबकि एसजीएसटी राजस्व 50,776 करोड़ रुपये रहा।

अप्रैल, 2018 में जीएसटी राजस्व 1,03,459 करोड़ रुपये था और अप्रैल, 2019 के दौरान प्राप्त जीएसटी राजस्व में पिछले साल के इसी महीने में अर्जित राजस्व की तुलना में 10.05 प्रतिशत की वृद्धि हुई। अप्रैल, 2019 में अर्जित जीएसटी राजस्व वित्त वर्ष 2018-19 में जीएसटी राजस्व के मासिक औसत (98,114 करोड़ रुपये) से 16.05 प्रतिशत अधिक है। ■

समृद्धि की मर्यादा

दीनदयाल उपाध्याय

केवल अंग्रेजों के जाने मात्र से हम स्वतंत्र हो गए, यह समझना पर्याप्त नहीं होगा तो स्वतंत्रता का उपयोग जीवन में आदर्शों को प्राप्त करने की दृष्टि से करना होगा। जीवन को वैभव की ओर ले जाने की अभिलाषा में बाहर की जीवन परंपरा को यहां लाने का प्रयास किया गया तो बहुत लाभ नहीं होगा, बल्कि अपना जीवन आत्म-विस्मृत बनाने के परिणामस्वरूप हम उसे समाप्त कर बैठेंगे। बाहर वालों ने अधूरा और व्यापक एकांगी विचार किया है। हमारा विचार सर्वांगीण और व्यापक है। उस अधूरी चीज़ के लिए इस पूरी को छोड़ना उचित नहीं है। पुरानी परंपराओं से चले आए सत्य के आधार पर ही भावी जीवन की रचना करनी चाहिए।

प्रत्येक प्राणी प्राण धारण करने के लिए सुखेषणा करता है, मनुष्य भी इसका अपवाद नहीं है। जब स्थायी सुख प्राप्त करना होता है तो शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा का विचार करना पड़ता है। इनके लिए तंत्ररूप पुरुषार्थ एक-दूसरे के पूरक होते हैं। इसी प्रकार किसी आधार पर सब कर्मों का योग्य वर्गीकरण किया जाता है। इन पुरुषार्थों में कौन बड़ा और कौन छोटा है, यह कहना कठिन है। किसी एक की अपेक्षा करना भी अनुचित है। अंतिम पुरुषार्थ मोक्ष है। इसके बाद कोई प्राप्तव्य बचता नहीं। अर्थ, काम इसके साधन हैं। मोक्ष की दृष्टि धर्म से मिलती है। धर्माचरण सकाम और निष्काम दोनों प्रकार का होता है। सकाम अर्थ और काम को प्राप्त करने वाला और निष्काम मोक्ष को प्राप्त कराता है। निष्काम कर्मयोग का गीता में वर्णन मिलता है। यह जैसे एक और पुरुषार्थ है। अर्थ का अभाव धर्म के लिए घातक है। अर्थ भाव बढ़ गया तो भी धर्म के लिए हानिकारक है। पश्चिम में कहा गया, अर्थ कितना भी बढ़े, लाभकारी होगा। हमने कहा, समृद्धि की भी मर्यादा चाहिए। वह धर्म के साथ-साथ तय करनी पड़ेगी। जिसके पास पैसा नहीं, ऐसे बहुत से लोग चोरी करते हैं- 'बुभुक्षितः किं न करोति पापम्।' और जिसके पास पैसा होता है वह उसका उपयोग नहीं जानता तो भी पाप का कारण हो जाता है। व्यक्तिगत और सामाजिक दृष्टि से केवल समृद्धि की लालसा से काम नहीं चलेगा तो धर्म का भाव नहीं होगा, तो यह जीवन के लिए बंधनकारी होगा।

रहिमन पेट ही को कहत, क्यों न भई तू पीठ।।
रीते मान बिगारही भरे बिगारही दीठ॥

अर्थशास्त्र में अनेक चीजों का विचार होता है, जैसे उत्पादन, वितरण, उपयोग आदि। संपत्ति के उपयोग का विचार अपने यहां अर्थशास्त्र में नहीं, तो धर्मशास्त्र में किया जाता है। पश्चिम का अर्थशास्त्र उपभोग को केंद्र मानकर चलता है। Consumption in the beginning and end of economics. पश्चिम का जीवन भोगपूर्ण है। कारण, उपभोग को ही संपूर्ण जीवन की गतिविधियों का प्रेरक बना दिया है। अपने प्राचीन ग्रंथों में उपभोग धर्मशास्त्र के लिए छोड़ दिया गया है।' धनात् धर्मं ततः सुखम्' अर्थात् धन से धर्म की प्राप्ति होती है, सुख मिलता है। धनी लोगों के पास सुख नहीं होते हैं। वे खा-पी नहीं सकते हैं। पैसे की रक्षा की चिंता करनी पड़ती है। क्षुधावर्धक खाते-खाते वे रोटी खाते हैं। इसके विपरीत एक मज़दूर सूखी रोटी खाकर ऊपर से ठंडा पानी पीता है और आनंद मनाता है। यदि किसी में कृपणता आ गई तो पैसा पास होने पर भी आनंद दूर चला जाता है।

उपभोग को धर्म के आधार पर नियंत्रित करना चाहिए। उत्पादन का विचार अर्थशास्त्र के आधार पर होता है। अर्थ वृत्तिमूलक है। अपना-अपना व्यवसाय करना वृत्ति कहलाता है। वृत्ति के बिना अर्थ नहीं बनता है। यह तो लाभकारी रोजगार है। जिसके पास काम नहीं है, उसे अर्थ नहीं मिलेगा। तात्पर्य प्रत्येक को काम मिलना चाहिए। पश्चिम में भी इसी बात को स्वीकार किया गया है कि अर्थनीति का आधार पूर्ण रोजगार होना चाहिए। सन् 1930 में जब मंदी' आई तो कल-कारख़ाने बंद हो गए। उस समय एक ही रास्ता था कि सब लोगों को काम मिले। एक को काम मिलता है तो वह दूसरे को देता है। जैसे कपड़ा बुनने वाले को काम मिलता है तो वह किसान और नाई को काम देगा। भीख मांगना भी दूसरों पर आधारित है। यदि सभी बेकार हो जाएंगे तो एक-दूसरे के सामने हाथ पसारेंगे। विचार का प्रारंभ इस आधार पर करें कि समाज को रोजी देनी चाहिए, रोटी नहीं। वर्ण व्यवस्था के मूल में यही बात है। यह पंचवर्षीय योजना नहीं है तो हजारों वर्षों से रोज़गार का अधिकार चल रहा है। काम

प्रत्येक प्राणी प्राण धारण करने के लिए सुखेषणा करता है, मनुष्य भी इसका अपवाद नहीं है। जब स्थायी सुख प्राप्त करना होता है तो शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा का विचार करना पड़ता है। इनके लिए तंत्ररूप पुरुषार्थ एक-दूसरे के पूरक होते हैं। इसी प्रकार किसी आधार पर सब कर्मों का योग्य वर्गीकरण किया जाता है। इन पुरुषार्थों में कौन बड़ा और कौन छोटा है, यह कहना कठिन है।

करना धर्म है। 'स्वधर्मे निधनं श्रेयः' यह बात कर्तव्य के नाते चली थी। आज इसे अधिकार का रूप दे दिया गया। समाज व्यवस्था में काम करने का अधिकार सुरक्षित है। आज प्रत्येक के सामने काम की अनिश्चितता है। दरवाजों पर अर्जियों के ढेर पड़े रहते हैं, 'yours most obedient' नाम से। व्यापारी के सामने भी कल क्या होगा, इसकी चिंता रहती है। अतः जीवन की सारी शांति चली जाती है। जब धंधों का ही पता नहीं तो पच्चीस वर्ष पढ़ने का क्या उपयोग? जो स्कूल में जाता है तो चार आदमी के कहने के अनुसार विषय ले लेता है। (एक विद्यार्थी की विज्ञान के स्थान पर वाणिज्य लेने की घटना)।

दूसरी घटना एक अध्यापक की है, जो सैन्य लेखाकार होते हुए नौकरी की, फिर वापस दुकान करता है। हम विचार करें कि एक ओर तो कारख़ानों के लिए इंजीनियर नहीं है और दूसरी ओर पढ़े-लिखे लोगों में बेकारी। जिसको शिक्षा देते हैं, उनका आगे का विचार ही नहीं होता है। यदि काम निश्चित हो तो उसमें विशेष योग्यता प्राप्त कर अर्थ उत्पादन की प्राप्ति वह कर सकेगा और इस व्यवस्था में सामूहिक रूप से अर्थ उपार्जन ज्यादा हो सकेगा। भोजनालय में रोटी और शाक पकाने वालों को विपरीत काम दे देने पर परिणामतः जिसको जो काम आता है, वही काम उसे देना चाहिए। पेट के लिए ऐसा मार्ग क्यों चुनें, जिसमें वह कुशल नहीं है। कुशल व्यक्ति दो-तीन घंटे काम कर लेते हैं। शेष समय समाज चिंतन, साहित्य, कला और मोक्ष की चिंता करते हैं। पेट भरने का यह छोटा सा काम है। इस थोड़े से समय में करना तभी संभव है, जबकि व्यक्ति को वही काम दिया जाए, जिसमें वह योग्य है, अन्यथा उसे पूरा दिन लग जाएगा। योग्यता होने पर ही रस आता है। योग्यता के अतिरिक्त उसमें प्रवृत्ति भी चाहिए। अन्यथा बोझा लगेगा। किसी को कुरसी काटती है और कोई उस पर से उठना ही नहीं चाहता। संघ के कार्यक्रम में एक वकील साहब को अध्यक्ष बनाया। कोर्ट में वे घंटों बहस करते हैं, परंतु उस कार्यक्रम में उनकी ज़बान ही नहीं खुली। केवल 'क'क'क':.' करके बैठ गए। वे कोर्ट में रस ले सकते हैं, क्योंकि उसमें प्रवत्ति है। अतः वहां रस आता है।

अन्य स्थानों पर काम और जीवन, ये दो अलग-अलग वस्तु हैं। 6 घंटे का काम और 18 घंटे का उनका जीवन होता है। हमारे यहां जीवन 24 घंटे का है। केवल पापी पेट भरने के लिए हमने 6 घंटे की मृत्यु नहीं मानी। एक सज्जन जर्मनी से आए। उन्होंने बताया कि वहां पर आदमी भूत की तरह काम करते हैं, परंतु एक बात है कि 5 दिन काम करते हैं और शनिवार-रविवार को दो दिन शैतान की तरह आनंद करते हैं। दो दिन जीते हैं और 5 दिन मेहनत करते हैं। हमने कहा कि इन 5 दिनों में भी रस लो, आनंद लो, तभी जीवन के साथ मेल बैठेगा। खाने जितना ही आनंद बनाने में भी आता है। बेटे को खाने में आनंद आता है तो मां को खिलाने में। प्रवृत्ति के साथ काम का मेल बैठ जाए तो फिर थोड़े से थोड़े समय में कुशलता के साथ काम होता है। कवितादि कलाओं में आनंद लिया जाता है। बढ़ी हुई क्षमता से शक्ति का अधिक-से-अधिक उपयोग होता है और इस तरह देश भर की अधिक-से-अधिक शक्ति का उपयोग होगा तो फिर अर्थ का अभाव नहीं रह सकता।

कई लोग कहते हैं कि यह तो बंधन है कि जीवन भर एक ही काम करते रहो। हम कहते हैं कि वह तो अपना दृष्टिकोण है। यह व्यवस्था भी तो और बंधन भी। उदाहरणार्थ हम गाड़ी में अपनी सीट रिज़र्व कराते हैं और वह किसी बीच में मिलती है। तो उसके लिए हम हठ नहीं कर सकते कि सीट खिड़की के पास ही मिले। यदि उस व्यवस्था को हम नहीं मानते हैं, तो भीड़ के अंदर सीट मिलने की अनिश्चय ही चिंता धारण करनी पड़ेगी। उस चिंता से बचने के लिए ही आरक्षण है। इसके बाद हमें घंटे भर पहले स्टेशन आने की आवश्यकता नहीं रहती। जीवन की गाड़ी में भी आरक्षण है और इसी का नाम व्यवस्था है, बंधन नहीं। जो इस बात को नहीं मानता, उसकी बुद्धि पर तरस आता है। किसी कारण यह धारणा बन जाए कि नं. एक बड़ा होता है और नं. पांच छोटा, तो फिर नं. एक के लिए झगड़ा होता है। वास्तव में सभी सीट बराबर हैं। खिड़की पर बैठने पर यदि हवा आती है तो कोयला भी तो आता है। इसके विपरीत बीच में बैठने वाला धूप से बच पाएगा। हर समय हानि-लाभ होता रहता है। आदमी जब तक ही वस्तु के लिए आग्रह करता है तो भेदभाव उत्पन्न हो जाता है। बाहर वालों ने इसी बात का प्रचार किया, अन्यथा हमारे चारों वर्ण में झगड़े का कोई कारण नहीं है। ■

क्रमशः...

(संघ शिक्षा वर्ग, बौद्धिक वर्गः नई दिल्ली)

(-पाञ्चजन्य, -जून 11, 1960)

कई लोग कहते हैं कि यह तो बंधन है कि जीवन भर एक ही काम करते रहो। हम कहते हैं कि वह तो अपना दृष्टिकोण है। यह व्यवस्था भी तो और बंधन भी। उदाहरणार्थ हम गाड़ी में अपनी सीट रिज़र्व कराते हैं और वह किसी बीच में मिलती है। तो उसके लिए हम हठ नहीं कर सकते कि सीट खिड़की के पास ही मिले। यदि उस व्यवस्था को हम नहीं मानते हैं, तो भीड़ के अंदर सीट मिलने की अनिश्चय ही चिंता धारण करनी पड़ेगी। उस चिंता से बचने के लिए ही आरक्षण है। इसके बाद हमें घंटे भर पहले स्टेशन आने की आवश्यकता नहीं रहती। जीवन की गाड़ी में भी आरक्षण है और इसी का नाम व्यवस्था है, बंधन नहीं।

अनतंनाग में भाजपा नेता गुल मोहम्मद मीर की हत्या

भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री गुल मोहम्मद मीर की आतंकवादियों ने जम्मू-कश्मीर के अनतंनाग जिले में 4 मई को गोली मारकर हत्या कर दी। श्री मीर अनंतनाग जिले में भाजपा के जिला उपाध्यक्ष थे। वह इलाके में 'अटल' के तौर पर मशहूर थे। उन्होंने 2008 और 2014 में दुरू विधान सभा से चुनाव भी लड़ा था।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भाजपा नेता श्री गुल मोहम्मद मीर की हत्या की निंदा करते हुए कहा कि हिंसा के लिए देश में कोई स्थान नहीं है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने ट्वीट किया, ''भाजपा के कश्मीरी नेता श्री गुलाम मोहम्मद मीर की हत्या की निंदा करता हूं। जम्मू-कश्मीर में पार्टी को मजबूत करने में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।" उन्होंने लिखा ''देश में इस तरह की हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं है।"

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने एक ट्वीट में कहा, ''मैं अनंतनाग में भाजपा नेता गुलाम मोहम्मद मीर की हत्या से दुःखी हूं। घाटी में पार्टी को मजबूत करने में उनका बड़ा योगदान है।" भाजपा अध्यक्ष ने ट्वीट किया, ''घाटी में चरमपंथी ताकतें भाजपा कार्यकर्ताओं का मनोबल हिंसा से नहीं तोड़ सकती हैं। शोक संतप्त परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं।"

जम्मू-कश्मीर भाजपा ने एक बयान में श्री मीर के परिवार के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त की और उन तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की, जो घाटी में शांति भंग रहे हैं और बेगुनाह लोगों की हत्या कर रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर राज्य भाजपा अध्यक्ष श्री रविंद्र रैना ने कहा कि उनकी हत्या देश के लिए एक बड़ा नुकसान है...वह एक बहादुर व्यक्ति थे जिन्होंने हमेशा पाकिस्तानी आतंकवादियों से लोहा लिया और अंतिम सांस तक मातृभूमि की सेवा की।

उन्होंने कहा कि मीर को अनंतनाग के अटल बिहारी वाजपेयी के रूप में जाना जाता था और वह भारत माता के एक महान सपूत थे। मारे गये नेता के साहस और उनकी देशभक्ति को सलाम करते हुये उन्होंने कहा कि मीर के बलिदान को व्यर्थ नहीं जाने दिया जाएगा।

भाजपा के राज्य प्रवक्ता श्री अल्ताफ ठाकुर ने कहा कि 60 साल के गुल मोहम्मद मीर पर आतंकियों ने हमला किया था। उन्होंने कहा कि मीर को चार गोलियां लगी थी। ■

ओडिशा में भाजपा मंडल अध्यक्ष मांगुली जेना की हत्या

ओडिशा राज्य के खोर्धा भाजपा मंडल अध्यक्ष श्री मांगुली जेना की खोर्धा में 15 अप्रैल को अज्ञात लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी। गौरतलब है कि श्री जेना गोली लगने के बाद गिर पड़े। इसके बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन्हें तत्काल अस्पताल ले गए जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। यह 3 हफ्ते के भीतर लोकसभा चुनाव 2019 के दौरान दूसरी चुनावी हिंसा है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने श्री जेना की हत्या के विरोध में शहर बंद का आह्वान किया और इस मामले में संलिप्त आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग को लेकर खोर्धा टाउन थाना के सामने धरने पर बैठ गए।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने खोर्धा मंडल अध्यक्ष श्री मांगुली जेना की निर्मम हत्या की निंदा की और कहा कि बीजद के शासन काल में राज्य में क़ानून व व्यवस्था की हालत बदतर हुई है।

केंद्रीय मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने पार्टी नेता श्री मांगुली जेना की हत्या की निंदा की और कहा कि जनतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं है। इस घटना से हम सब दुःखी हैं। जनतंत्र में बैलेट से लड़ाई होती है, बुलेट से नहीं। हमने प्रदेश के डीजीपी से चर्चा की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुलिस को निर्देश दें। बीजू जनता दल खून की प्यासी हो गई है। अभी तक एसपी मौके पर नहीं गए हैं, जबकि एसपी के क्वार्टर से मात्र 500 मीटर पर यह घटना हुई है। ■

प्रधानमंत्री ने ओडिशा में चक्रवाती तूफान फानी से प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया

एक हजार करोड़ रुपये की तत्काल मदद की घोषणा

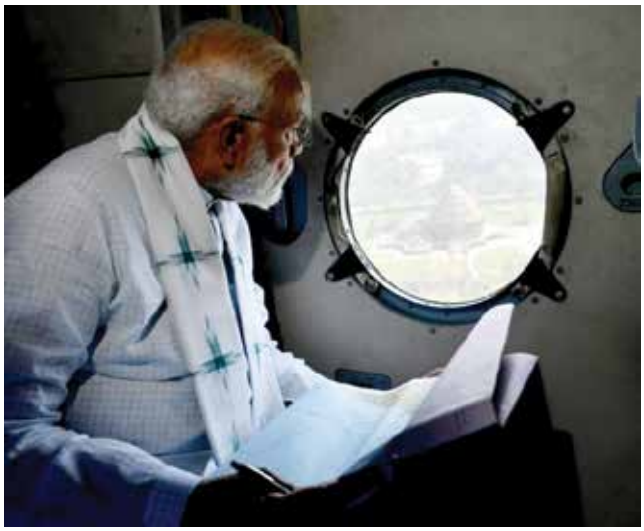

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ओडिशा में आये चक्रवाती तूफान फानी से हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए 6 मई को प्रदेश का हवाई दौरा किया। प्रधानमंत्री ने पिपिली, पुरी, कोणार्क, निमपाड़ा और भुबनेश्वर का हवाई सर्वेक्षण किया। हवाई सर्वेक्षण में प्रधानमंत्री के साथ प्रदेश के राज्यपाल प्रोफेसर गणेशीलाल, मुख्यमंत्री श्री नवीन पटनायक और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान भी मौजूद थे।

प्रदेश के हवाई सर्वेक्षण के बाद प्रधानमंत्री ने चक्रवाती तूफान फानी से हुए नुकसान और राहत एवं पुनर्वास के लिए उठाये जा रहे कदमों की समीक्षा के लिए केन्द्र और राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। प्रधानमंत्री ने ओडिशा को सभी संभव मदद देने का आश्वासन दिया। उन्होंने 1000 करोड़ रुपये की तत्काल मदद की घोषणा की। यह राशि 29 अप्रैल, 2019 को राज्य सरकार को जारी 341 करोड़ रुपये के अतिरिक्त है। उन्होंने अंतर-मंत्रालीय केन्द्रीय टीम के आंकलन के बाद और मदद करने का वायदा किया।

प्रधानमंत्री ने ओडिशा के लोगों के साथ एकजुटता का भी प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार न सिर्फ तत्काल राहत उपलब्ध कराने, बल्कि राज्य का पुनर्निर्माण सुनिश्चित करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री ने तूफान से मरने वालों की संख्या न्यूनतम होने में सेटेलाइट इमेजरी और उन्नत मौसम पूर्वानुमान तकनीक जैसी प्रोद्योगिकी की भूमिका की सराहना की।

प्रधानमंत्री ने तूफान आने से पहले 10 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए राज्य सरकार की कोशिशों और सटीक पूर्वानुमान के लिए मौसम विभाग की खासतौर पर सराहना की।

उन्होंने तटीय क्षेत्रों में रहने वालों लोगों और मछुआरों के सहयोग की भी सराहना की। प्रधानमंत्री ने केन्द्र और राज्य सरकारों के बीच बेहतर तालमेल पर संतोष जताया, जिससे जनहानि को न्यूनतम करने में मदद मिली। प्रधानमंत्री ने बताया कि वह अच्छी तरह जानते हैं कि ऐसे तूफान कितनी बर्बादी और तबाही लाते हैं, क्योंकि वह भी एक तटीय राज्य के मुख्यमंत्री रह चुके हैं।

प्रधानमंत्री ने आश्वासन दिया कि राज्य में इंफ्रास्ट्रक्चर, आवास, मछुआरों और कृषि को हुए नुकसान एवं राज्य के लिए आवश्यक राहत का आकलन करने के लिए शीघ्र ही एक केंद्रीय दल ओडिशा आएगा। उन्होंने राज्य और केंद्र सरकार के अधिकारियों को निर्देश दिया कि जितना जल्द हो सके ऊर्जा, दूरसंचार और रेलवे सेवाएं बहाल करें।

उन्होंने सड़क और भू-तल मंत्रालय को भी सड़कों की तत्काल मरम्मत करने के लिए प्रभावी कदम उठाने और इस दिशा में राज्य को हर संभव मदद उपलब्ध कराने को कहा। प्रधानमंत्री ने निर्देश दिया कि बाढ़ प्रभावित इलाकों में किसानों के दावों का आंकलन करने के लिए बीमा कंपनियां तुरन्त अपनी टीम भेजे और जल्द से जल्द किसानों को राहत पहुंचाये।

प्रधानमंत्री ने तूफान में मारे गये लोगों के नजदीकी रिश्तेदार को दो लाख रुपये और गंभीर रूप से घायल को 50,000 रुपये की आर्थिक मदद देने की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने ओडिशा के लोगों को आश्वस्त किया कि दुःख की इस घड़ी में केन्द्र सरकार उनके साथ खड़ी है। ■

'गौरवान्वित हिंदू' होने के लिए एक आरामदायक माहौल

अरुण जेटली

1980 के दशक के अंत और 1990 के दशक की शुरुआत में, वीएचपी ने कुछ स्टिकरों का वितरण किया था और इस पर लिखा स्लोगन "गर्व से कहो हम हिन्दू हैं" उसके लिए लॉन्चिंग पैड बन गया। भाजपा को छोड़ दे, तो कुछ अन्य समूहों ने इसका समर्थन किया, दूसरों ने इस नारे को सांप्रदायिकता के प्रतीक के रूप में निरूपित किया। मुझे यकीन है कि उस समय से विहिप में सक्रिय रहने वाले कार्यकर्ताओं को आखिरकार आज संतोष हुआ होगा, जब भोपाल से कांग्रेस के नेता और उसके उम्मीदवार दिग्विजय सिंह को सार्वजनिक रूप यह घोषणा करने पर मजबूर होना पड़ा कि "मैं भी एक गौरवशाली हिंदू हूं"। नेहरूवादी धर्मनिरपेक्षता के साथ एक बुनियादी असहमति यह थी कि पंडित जी का मानना था कि हिंदू धर्म पुराने जमाने का, कट्टरपंथी और प्रगति विरोधी है, यह बात 1950 के दशक में प्रचलित थी। उनका मानना था कि यह धर्म देश में विकास के वैज्ञानिक माहौल में बाधक बन रहा है।

यह राजनीति दशकों तक जारी रही। बहुकोणीय चुनाव में, सपा, बसपा, राजद और अब टीएमसी जैसे दलों ने भी कांग्रेस से एक कदम आगे बढ़ाकर इस विचार को पोषित किया। उन्होंने अल्पसंख्यकों के मन में भय पैदा कर, एक विशिष्ट जाति एवं समूह और मुस्लिम अल्पसंख्यक का एक वोट बैंक तैयार करने का प्रयास किया। उन्होंने इस ध्रुवीकरण का उपयोग अपने अस्तित्व को बचाने के लिए किया। इस प्रथा को तोड़ने का एक अहम प्रयास साल 1980 और 1990 के दशक में भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री एल.के. आडवाणी ने किया। उन्होंने धर्म आधारित राजनीति के खिलाफ दृढ़ता से तर्क दिए, अल्पसंख्यकों के लिए समानता की बात कही, लेकिन उनका सबसे बड़ा मुद्दा यही था कि धर्मनिरपेक्षता का प्रयोग केवल बहुसंख्यकों को कोसने के लिए नहीं किया जा सकता है। उन्होंने आधुनिक माहौल में अपने तर्कों को मजबूती से रखा। भारत के एक बड़े हिस्से ने इसमें एक तर्क देखना शुरू कर दिया था। बहुसंख्यक समुदाय उदार, सहिष्णु था, लेकिन अब अपनी धार्मिक साख को लेकर क्षमा करने को तैयार नहीं था। कांग्रेस इस सोयी हुई विशाल ताकत को कभी समझ ही नहीं पाई। राजीव गांधी द्वारा लाया गया शाह बानो कानून, प्रतिक्रिया को समझने में उनकी असमर्थता को दर्शाता है। यह गलतियां यूपीए सरकार के दौरान भी जारी रही, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने गरीबों को एक वर्ग के रूप में मान्यता देने के बजाय, अल्पसंख्यकों का राष्ट्रीय खजाने पर पहला अधिकार होने की बात कही थी।

इस बीच, भारत का सामाजिक-आर्थिक प्रोफ़ाइल धीरे-धीरे बदल रहा था और भारत के मध्य-वर्ग का विस्तार होने लगा था। भारत का मध्यवर्ग महत्वाकांक्षी है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा पर अपनी चिंता व्यक्त करता है। इसका झुकाव धर्म की ओर है, लेकिन यह सांप्रदायिक नहीं है। यह धर्मनिरपेक्षता की परिभाषा के रूप में बहुसंख्यकों को कोसने के विचार को स्वीकार नहीं करता है। आतंकवाद और जम्मू-कश्मीर की विशेष स्थिति जैसे राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर इस वर्ग की अपनी मजबूत राय है। साथ ही, अयोध्या और सबरीमाला दोनों पर इसकी प्रतिक्रिया स्वयं स्पष्ट हो चुकी है। इससे उन लोगों के मन में डर पैदा हो गया है, जो परंपरागत रूप से बहुसंख्यकों को कोसने की राजनीति करते थे और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर समझौता कर रहे थे। आइए हम हाल की कुछ घटनाओं का विश्लेषण करते हैं।

राहुल गांधी

एक व्यक्ति अपनी दादी की जाति को विरासत में प्राप्त कर सकता है या नहीं, इस बहस में

एक व्यक्ति अपनी दादी की जाति को विरासत में प्राप्त कर सकता है या नहीं, इस बहस में पड़े बिना, कांग्रेस ने अचानक अपने अध्यक्ष को जनेऊधारी ब्राह्मण घोषित करने का फैसला किया है। फिर उन्हें 'शिवभक्त' भी कहा जाने लगा है। अब वह मंदिर जाने का भी कोई अवसर नहीं चूकते है और इस तरह की यात्रा को एक भव्य कार्यक्रम के तहत कांग्रेस द्वारा प्रस्तुत किया जाने लगा है। लेकिन साल 2004, 2009 या 2014 में उनका यह धार्मिक रुझान दिखाई नहीं देता था।

पड़े बिना, कांग्रेस ने अचानक अपने अध्यक्ष को जनेऊधारी ब्राह्मण घोषित करने का फैसला किया है। फिर उन्हें 'शिवभक्त' भी कहा जाने लगा है। अब वह मंदिर जाने का भी कोई अवसर नहीं चूकते है और इस तरह की यात्रा को एक भव्य कार्यक्रम के तहत कांग्रेस द्वारा प्रस्तुत किया जाने लगा है। लेकिन साल 2004, 2009 या 2014 में उनका यह धार्मिक रुझान दिखाई नहीं देता था।

क्या वह महबूबा मुफ्ती और उमर अब्दुल्ला के बयानों पर अपना रुख स्पष्ट करने को तैयार हैं? जो नरम-अलगाववाद का समर्थन कर रहे हैं। वह यह कहकर अपने आप को इन मामलों से दूर कर लेते है कि कि "मेरे पास कुछ अन्य विचार थे लेकिन मैं सबरीमाला पर अपनी पार्टी के विचारों के साथ खड़ा रहा।" फिर भी वह अयोध्या में राम मंदिर या सबरीमाला पर अपना पक्ष रखने के लिए तैयार नहीं है।

राष्ट्रीय सुरक्षा पर उनका रुख बेहद संदिग्ध रहा है। वह चाहते है कि देशद्रोह कानून वापस लिया जाए। वह चाहते हैं कि अफस्पा को हटा दिया जाए और जम्मू और कश्मीर में सेना के जवानों की तैनाती को कम किया जाए। "भारत तेरे टुकड़े होंगे, इंशाअल्लाह इंशाअल्लाह" और "अफजल हम शर्मिंदा हैं, तेरे कातिल जिंदा हैं" के नारे लगाने वालों के समर्थन में वह जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय का दौरा करते हैं।

उन्होंने आज तक जेएनयू में अपनी उपस्थिति का करण स्पष्ट नहीं किया है।

दिग्विजय सिंह

भोपाल से कांग्रेस के उम्मीदवार एक बहुचर्चित बहुसंख्यक विरोधी है। उन्होंने दावा किया कि यूपीए सरकार के दौरान बटला हाउस मुठभेड़ एक फर्जी एनकाउंटर था। उन्होंने आतंकवादियों के समर्थन में और सुरक्षा बलों के खिलाफ अभियान चलाया। यहां तक कि वह मृतक या गिरफ्तार आतंकवादियों के परिजनों से मिलने आजमगढ़ भी गए। वह 'द हिंदू टेरर' के सिद्धांत का पेटेंट रखते है। इस पूरे सिद्धांत का पर्दाफाश होने तक वह इसे अतार्किक निष्कर्ष पर ले जाने का प्रयास करते रहे। आज मतदाताओं के रोष को महसूस करते हुए वह अपने हिंदू होने पर 'गर्व' कर रहे हैं।

भोपाल से कांग्रेस के उम्मीदवार एक बहुचर्चित बहुसंख्यक विरोधी है। उन्होंने दावा किया कि यूपीए सरकार के दौरान बटला हाउस मुठभेड़ एक फर्जी एनकाउंटर था। उन्होंने आतंकवादियों के समर्थन में और सुरक्षा बलों के खिलाफ अभियान चलाया। यहां तक कि वह मृतक या गिरफ्तार आतंकवादियों के परिजनों से मिलने आजमगढ़ भी गए। वह 'द हिंदू टेरर' के सिद्धांत का पेटेंट रखते है। इस पूरे सिद्धांत का पर्दाफाश होने तक वह इसे अतार्किक निष्कर्ष पर ले जाने का प्रयास करते रहे।

आम आदमी पार्टी

आम आदमी पार्टी के पास कोई जवाब नहीं है। इसके नेताओं ने उन लोगों का समर्थन किया जिन्होंने जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में अत्यधिक आपत्तिजनक नारे लगाए। जेहादियों और अलगाववादियों के लिए पार्टी की सहानुभूति स्पष्ट नजर आती है। 'अफजल हम शर्मिंदा है, तेरे कातिल जिंदा है' जैसे नारों का समर्थन करने के अलावा यह पार्टी इन नारों को लगाने वालों के खिलाफ केस चलाने के लिए दिल्ली पुलिस को मंजूरी नहीं दे रही है और इसकी फाइल दिल्ली सचिवालय के किसी कोने में दबाकर बैठी है। इनका दिल जेहादियों और अलगाववादियों के साथ है, लेकिन इस पार्टी ने यह भी महसूस किया है कि दिल्ली का मतदाता कभी भी इस तरह की साख वाले दलों या उम्मीदवारों को स्वीकार नहीं करता है। आम आदमी पार्टी से एक सरल प्रश्न यह है कि इन राष्ट्रविरोधी नारों को लगाने वालों के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी क्यों नहीं दी जा रही है?

लेकिन आम आदमी पार्टी का पाखंड तब परवान चढ़ा, जब पिछले कुछ दिनों में दिल्ली में पार्टी की एकमात्र महिला उम्मीदवार ने अपने अति-वामपंथी झुकाव वाले माता-पिता की पारिवारिक विरासत को छोड़ दिया, जो उनके महत्वपूर्ण गुरु थे, जिन्होंने अफजल गुरु के लिए क्षमा दान मांगा। उन्होंने न केवल अपने धर्म को स्वीकार किया, बल्कि सार्वजनिक तौर पर अपनी जाति, अपने पिता की जाति और अपने पति की जाति का बखान करना भी शुरू कर दिया। मैं इस बात पर आश्चर्य कर रहा था कि जिन लोग का नास्तिक वातावरण में पोषण होता है, कैसे वह राजनीतिक सुविधा के लिए सार्वजनिक रूप से अपने धर्म और जाति का प्रदर्शन शुरू कर देते हैं।

भारत देशभक्त लोगों की भूमि है। यह विरोधाभास केवल एक भ्रांति हैं। इस भ्रांति को इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया पर एक असंतुष्ट की आवाज के तौर पर प्रस्तुत किया जा सकता है, जो इस भ्रांति से संबंधित नहीं है वह भी चुनाव जीत सकते हैं। यह लोकतंत्र की शक्ति है। आज धार्मिकता अचानक खोजी जा रही है। बहुसंख्यक को कोसने की प्रवृति को 'गर्वित हिंदू' या 'पंजाबी हिंदू क्षत्रिय' के स्व-घोषित शीर्षक से बदल दिया गया है। आज नास्तिक भी धर्म और जाति का चोला ओढ़ रहे है। आखिरकार चुनाव सभी नव-धर्मान्तरित लोगों के लिए एक सुविधाजनक मौसम है। ■

(लेखक केंद्रीय मंत्री हैं)

हम 25 में से 25 सीटें जीतेंगे : प्रकाश जावडेकर

केंद्रीय मंत्री श्री प्रकाश जावडेकर लोकसभा चुनाव 2019 के लिए राजस्थान के चुनाव प्रभारी भी हैं। वे पिछले कई महीनों से राज्य में भाजपा की चुनावी गतिविधि की देखरेख कर रहे हैं। राजस्थान में अब चुनाव संपन्न हो चुके हैं और 'कमल संदेश' के एसोसिएट एडीटर विकाश आनंद ने श्री प्रकाश जावडेकर से चुनाव–प्रचार रणनीति और राज्य में भाजपा की जीत की संभावनाओं पर विस्तार से बातचीत की। यहां प्रस्तुत है साक्षात्कार के प्रमुख अंश:

हाल में हुए राजस्थान विधानसभा चुनाव तथा वर्तमान के लोकसभा चुनाव के लिए आप भाजपा की ओर से प्रभारी हैं। इन दोनों चुनावों में आप क्या अंतर देखते हैं?

मेरा हमेशा यह अनुभव रहा है कि लोग हर चुनाव के विषय को अलग तरीके से देखते हैं। नेता को अलग तरीके से देखते हैं और वोट कैसे दे इसके निर्णय करने के तौर तरीके अलग होते हैं। वैसे विधानसभा चुनाव में हमारी बहुत बड़ी हार नहीं हुई है। आधे प्रतिशत वोट का फासला रहा। डेढ़ लाख मत कम मिला, तीन वोट प्रत्येक बूथ पर कम मिले। लेकिन सच्चाई है कि कांग्रेस की सत्ता आ गई। भाजपा सरकार ने अच्छा काम करके कम्युनिकेशन नहीं किया। हम लोग चुनाव हार गए।

लेकिन लोकसभा में यह मोदी का चुनाव है। लोग मोदी को वोट देंगे। क्योंकि मोदी देश की सुरक्षा, उन्नति और मजबूती नेतृत्व के प्रतीक हैं। विधानसभा में पहले तो लोगों को लगता था कि हमारी सीट तो 30–40 आएंगी। लेकिन हमने अच्छा प्रदर्शन किया। लोकसभा में हमने बेनीवाल को जोड़ा, गुर्जर नेता किरोरी सिंह बैंसला को लिया। तो फोर्सेज को इकट्ठा किया। यदि ऐसा विधानसभा में होता तो हमारी स्थिति अलग होती।

हां, अभी तो कांग्रेस की सरकार आयी है। 4 महीने में ही जनता का गुस्सा सातवें आसमान पर है। लोगों ने राज्य सरकार का नाम रखा है 'वादाखिलाफी' सरकार। उन्होंने किसान का कर्जा माफ करने का आश्वासन दिया, लेकिन बाद में कहा कि केवल सरकारी बैंक का देंगे। 2 लाख तक देंगे। कर्जामाफी को लेकर शर्त पर शर्त लगाते गए जिससे लोगों का गुस्सा भड़क गया और दूसरी तरफ कांग्रेस बोली कि 3500 रुपए प्रत्येक बेरोजगार को देंगे, लेकिन एक भी बेरोजगार को नहीं मिला।

प्रदेश में वर्तमान की कांग्रेस सरकार जनाकांक्षाओं पर खरी नहीं उतर पायी है, इसका लोकसभा चुनाव पर क्या असर पड़ेगा?

हां, अभी तो कांग्रेस की सरकार आयी है। 4 महीने में ही जनता का गुस्सा सातवें आसमान पर है। लोगों ने राज्य सरकार का नाम रखा है 'वादाखिलाफी' सरकार। उन्होंने किसान का कर्जा माफ करने का

आश्वासन दिया, लेकिन बाद में कहा कि केवल सरकारी बैंक का देंगे। 2 लाख तक देंगे। कर्जामाफी को लेकर शर्त पर शर्त लगाते गए जिससे लोगों का गुस्सा भड़क गया और दूसरी तरफ कांग्रेस बोली कि 3500 रुपए प्रत्येक बेरोजगार को देंगे, लेकिन एक भी बेरोजगार को नहीं मिला। यहां तक कि भामाशाह योजना के अंतर्गत 3 लाख तक होने वाले मुफ्त इलाज को बंद कर दिया। आयुष्मान भारत लाने नहीं दिया। जो किसान सम्मान के अंतर्गत मोदी जी 6000 खाते में डाल रहे हैं वो लाने नहीं दिया और इस तरह का सारे विकास कार्यों को रोक दिया है। इससे लोगों में आक्रोश है जिसका परिणाम मतदान पर दिखेगा।

मोदी जी की लोकप्रियता ऐसी है कि किसी भी दस लोगों से बात करों तो आठ लोग मोदी जी का नाम लेंगे। 2014 में मोदी जी को लोगों ने आशा के साथ वोट किया था अब विश्वास के साथ कर रहे हैं। पांच साल में लोगों ने देखा मोदी जी 24x7 काम कर रहे हैं। कोई परिवार नहीं, दिन–रात देश के लिए लगे रहते हैं। एक आदिवासी भाई ने कहा कि पहले सैनिक हमारे दुश्मन देश के हाथों पकड़े जाते थे या तो मार दिये जाते थे या इनका सिर काट कर लाश भेजी जाती थी। लेकिन मोदी जी ऐसे पहले प्रधानमंत्री हैं कि दुश्मन देश को हमारे सैनिक को 24 घंटे के अंदर छोड़ना पड़ा। मैं ऐसा मानता हूं इसी कारण मोदी जी के रैलियों में अद्भुत भीड़ है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सभाओं में अभूतपूर्व जनभागीदारी हुई है, इसका क्या कारण आप देखते हैं?

मोदी जी की लोकप्रियता ऐसी है कि किसी भी दस लोगों से बात करों तो आठ लोग मोदी जी का नाम लेंगे। 2014 में मोदी जी को लोगों ने आशा के साथ वोट किया था अब विश्वास के साथ कर रहे हैं।

पांच साल में लोगों ने देखा मोदी जी 24x7 काम कर रहे हैं। कोई परिवार नहीं, दिन–रात देश के लिए लगे रहते हैं। एक आदिवासी भाई ने कहा कि पहले सैनिक हमारे दुश्मन देश के हाथों पकड़े जाते थे, या तो मार दिये जाते थे या इनका सिर काट कर लाश भेजी जाती थी। लेकिन मोदी जी ऐसे पहले प्रधानमंत्री हैं कि दुश्मन देश को हमारे सैनिक को 24 घंटे के अंदर छोड़ना पड़ा। मैं ऐसा मानता हूं इसी कारण मोदी जी के रैलियों में अद्भुत भीड़ है।

भाजपा ने राजस्थान के लिए क्या विशेष तैयारी/रणनीति बनाई थी?

हम लोगों ने घर-घर जाएंगे हरेक घर में संवाद करेंगे की रणनीति बनाई है। और लोगों के बीच मोदी जी का संदेश सोशल मीडिया, कार्यक्रम के माध्यम से पहुंचाएंगे और दूसरे संवाद के उपलब्ध माध्यम का प्रयोग करेंगे।

चुनाव परिणामों में आप कितनी सीटों की अपेक्षा कर रहे हैं?

हम लोग 25 में से 25 सीटें की अपेक्षा कर रहे हैं। आज कांग्रेस वाले भी मान रहे हैं कि हमारी 20–21 सीटें आ रही हैं। भले हम विधानसभा में आधे प्रतिशत से पीछे रहे, ताकि लोकसभा में 8 से 10 प्रतिशत के लीड से आगे रहेंगे। ■

कमल संदेश अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध

लॉग इन करें:

www.kamalsandesh.org

राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

भाजपा कर्नाटक में जीत की नई इबारत लिखेगी और तमिलनाडु में अधिक सीटें हासिल करेगी: मुरलीधर राव

भाजपा राष्ट्रीय महासचिव श्री मुरलीधर राव लोकसभा चुनाव 2019 के लिए पार्टी के कर्नाटक और तमिलनाडु प्रदेश प्रभारी हैं। उन्होंने पिछले कई महीने इन राज्यों में पार्टी के उम्मीदवारों के लिए व्यापक प्रचार किया और भाजपानीत राजग को जीत दिलाने के लिए अथक प्रयास किया। कर्नाटक और तमिलनाडु में मतदान संपन्न हो गया है। कमल संदेश के सहायक संपादक संजीव कुमार सिन्हा ने श्री राव के साथ इन राज्यों में भाजपा के चुनावी अभियान, रणनीति और भाजपानीत राजग के प्रदर्शन के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की। श्री मुरलीधर राव ने बताया कि इस बार भाजपा कैसे जीत की नई इबारत लिखेगी और तमिलनाडु में अधिक सीटें प्राप्त करेंगी। प्रस्तुत है मुख्य अंशः

कर्नाटक और तमिलनाडु में लोकसभा चुनाव संपन्न हो चुके हैं जहां के आप प्रदेश प्रभारी हैं। इन राज्यों में पार्टी का प्रचार अभियान किस तरह चला और प्रमुख मुद्दे क्या थे?

कर्नाटक में भाजपा को हमेशा एक मजबूत शक्ति के रूप में देखा जाता है लेकिन पिछले विधानसभा चुनावों में हम सत्ता में नहीं आए क्योंकि हम कुछ सीटों से पीछे रह गए। हालांकि, भाजपा 104 सीटों के साथ नंबर एक राजनीतिक दल के रूप में उभरी।

पिछले विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद कांग्रेस और जद(एस) दोनों को अपनी शक्ति का एहसास हुआ और अपने अस्तित्व के लिए उन्हें गठबंधन सरकार बनाने के लिए एक साथ आना पड़ा। कांग्रेस इतनी डरी हुई थी कि उसने खुद को गठबंधन सरकार में एक अधीनस्थ दल के रूप में प्रस्तुत किया तथा केवल 38 सीटों के साथ जद (एस) ने मुख्यमंत्री पद ग्रहण किया और सरकार में मुख्य भूमिका निभाई। इस गठजोड़ ने वास्तव में गठबंधन की मजबूरियों और कमजोरियों का प्रदर्शन किया है और दिखाया है कि कैसे ब्लैकमेल और आंतरिक झगड़ा आए दिन का क्रम बन गया है। कर्नाटक के लोग इस स्थिति से अच्छी तरह वाकिफ हैं और इससे भाजपा को एक तरह का फायदा हुआ है, इसीलिए भाजपा सरकार या मोदी सरकार की जरूरत है।

इस एक आख्यान (नैरेटिव) के साथ-साथ राष्ट्रीय आख्यान - राष्ट्रीय सुरक्षा, विकास, सुशासन, पारदर्शी शासन और भ्रष्टाचारमुक्त शासन, गरीबों के कल्याण आदि मुद्दे ने भाजपा की बहुत मदद की है।

कर्नाटक में भाजपा का चुनाव अभियान हमारे विचारों के अनुरूप आगे बढ़ा। यह मोदीजी बनाम अन्य का रहा। इसलिए यह अभियान मोदीजी और उनकी उपलब्धियों के आसपास केंद्रित था।

इसलिए, इस बार मुझे उम्मीद है कि विभिन्न क्षेत्रों के फीडबैक के अनुसार हम कर्नाटक में भाजपा की जीत में कुछ और सीटें जोड़ेंगे और राज्य में एक नई इबारत लिखेंगे। निश्चित रूप से पार्टी ने 2014 में जो प्रदर्शन किया था, उससे हम आगे जाएंगे।

तमिलनाडु में भाजपा को किस तरह का समर्थन मिल रहा है?

तमिलनाडु 39+1 (पांडिचेरी), 40 सीटों वाला एक बहुत बड़ा राज्य है। 2014 के चुनावों में मोदीजी के पक्ष की लहर ने

हमारी बहुत मदद की, उस समय अनेक छोटे दलों के साथ हमारा गठबंधन था। हमें 19.5 प्रतिशत का महत्वपूर्ण वोट शेयर मिला, लेकिन इसके मुताबिक यह सीट में परिणत नहीं हो सका था। इसलिए हम केवल दो सीटें पाने में कामयाब हुए थे।

अब, इस चुनाव में डीएमके और कांग्रेस के गठजोड़ के खिलाफ हम एआइडीएमके, पीएमके, डीएमडीके और अन्य कुछ दलों के साथ एक अच्छा जीवंत गठबंधन बनाने में कामयाब रहे। तमिलनाडु में इस गठबंधन के कारण लड़ाई बहुत तीव्र हो गई और मेरे विचार से मोदीजी के नेतृत्व एवं उनके अभियान के चलते हम एक नई रचना बनाने में सक्षम हुए, जिसे हम गठबंधन सहयोगियों और लोगों के बीच बनाना चाहते थे। इसलिए, निश्चित रूप से हम वहां एक सफल राजग की पटकथा लिखने के लिए सोच रहे हैं। मोदीजी के नेतृत्व में एनडीए को इस बार तमिलनाडु में अच्छी संख्या प्राप्त होगी।

विपक्षी दलों के महागठबंधन से भाजपा और राजग को किस तरह की चुनौती मिल रही है?

पूरे देश में महागठबंधन नहीं है। पूरे देश में विपक्षी एकता नहीं है। वे भाजपा बनाम अन्य के बीच की लड़ाई देखना चाहते थे। जैसा आप जानते हैं अन्य का प्रतिनिधित्व एक प्रत्याशी करता है जो भाजपा के खिलाफ है। विपक्ष की रणनीति यह है कि भाजपा विरोधी मत को विभाजित होने से रोका जाए। हालांकि, कई महत्वपूर्ण राज्यों में वे ऐसा नहीं कर पाए। अगर आप उत्तर प्रदेश का उदाहरण लें तो कोई एकजुट लड़ाई नहीं है, बंगाल में कोई एकजुट लड़ाई नहीं है, ओडिशा में कोई एकजुट लड़ाई नहीं है, केरल में एकजुट लड़ाई नहीं है और आंध्र प्रदेश में ऐसा कुछ नहीं है।

इसलिए, महागठबंधन अब केवल एक नारा है और यह एक प्रकार का स्वप्नलोक है और जमीन पर ऐसा कोई महागठबंधन नहीं है और यह महागठबंधन संभव नहीं हो पाया है क्योंकि वे एक नेता पर सहमत नहीं हैं, वे इस बात पर सहमत नहीं हैं कि कौन शासन करेगा और एजेंडा क्या होगा, कार्यक्रम क्या होगा?

किसी ने राहुल गांधी का नाम प्रस्तावित किया है और अन्य दल इसे स्वीकार नहीं कर रहे हैं। अन्य दलों ने कुछ अन्य नामों का प्रस्ताव किया है और कांग्रेस ने उन्हें स्वीकार नहीं किया है। यहां तक कि ऐसी पांच पार्टियां जो महज पांच सीटें जीतने को सोच रही हैं, वे भी प्रधानमंत्री बनने का महास्वप्न देख रही हैं। यही कारण था कि महागठबंधन स्थापित नहीं हो सका।

लोग इसे जानते भी थे। उन्हें एक स्थिर सरकार, निर्णायक सरकार और ऐसी सरकार की जरूरत है जो फैसले ले सके, ऐसा केवल मोदीजी कर सकते हैं।

केंद्र में मोदी सरकार के बारे में आम जनता ने जो आख्यान तैयार किया है, वह यह है कि मोदीजी के हाथों में राष्ट्र सुरक्षित है, मोदीजी के नेतृत्व में इस देश को स्थिर सरकार मिली है, मोदीजी का नेतृत्व निर्णायक है तथा मजबूत एवं असमझौतावादी नेतृत्व के चलते वैश्विक एजेंसियों, बहुपक्षीय एजेंसियों एवं सभी महत्त्वपूर्ण देशों से बातचीत करने में सक्षम है एवं हमारे देश के हितों को केवल मोदी सरकार द्वारा संरक्षित किया जा सकता है। इसलिए, लोग इन मुद्दों पर भी चर्चा कर रहे हैं और इस आधार पर भाजपानीत राजग का समर्थन कर रहे हैं।

राष्ट्रीय स्तर पर भाजपानीत राजग का प्रदर्शन कैसा रहेगा?

केंद्र में मोदी सरकार के बारे में आम जनता ने जो आख्यान तैयार किया है, वह यह है कि मोदीजी के हाथों में राष्ट्र सुरक्षित है, मोदीजी के नेतृत्व में इस देश को स्थिर सरकार मिली है, मोदीजी का नेतृत्व निर्णायक है तथा मजबूत एवं असमझौतावादी नेतृत्व के चलते वैश्विक एजेंसियों, बहुपक्षीय एजेंसियों एवं सभी महत्त्वपूर्ण देशों से बातचीत करने में सक्षम है एवं हमारे देश के हितों को केवल मोदी सरकार द्वारा संरक्षित किया जा सकता है। इसलिए, लोग इन मुद्दों पर भी चर्चा कर रहे हैं और इस आधार पर भाजपानीत राजग का समर्थन कर रहे हैं।

वे राष्ट्रीय सुरक्षा, राष्ट्रीय विकास, गरीबों के कल्याण, सुशासन और भ्रष्टाचारमुक्त शासन जैसे मुद्दों के महत्व को महसूस कर रहे हैं, इसलिए मुझे लगता है कि इन सकारात्मक पहलों के लिए भाजपानीत राजग को 2014 में जो प्राप्त हुआ था उसे अधिक सीटें मिलेंगी। ■

साल 2014 की मोदी लहर अब सुनामी बन गई है: भूपेन्द्र यादव

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव श्री भूपेन्द्र यादव लोकसभा चुनाव 2019 के लिए बिहार भाजपा के प्रभारी हैं। राजस्थान से आने वाले श्री यादव राज्य सभा सांसद भी हैं। अपने व्यस्त चुनावी कार्यक्रम के बीच उन्होंने कमल संदेश के एसोसिएट एडिटर राम प्रसाद त्रिपाठी से फोन पर इन आम चुनाव के घटनाक्रम और बिहार में पार्टी की संभावनाओं के बारे में बात की।

उन्होंने कहा, "अगर 2014 में एक लहर मोदीजी के पक्ष में थी, तो इस बार उनके पक्ष में सुनामी है।"

श्री यादव ने यह भी कहा, "इस बार भाजपा गठबंधन 2014 के अपने पिछले रिकॉर्ड को तोड़ते हुए बिहार में पहले से भी अधिक सीटें प्राप्त करेगा और एक नया कीर्तिमान स्थापित करेगा"। प्रस्तुत है इस बातचीत के प्रमुख अंशः

मतदान के अब केवल दो चरण बचे हैं, चुनाव प्रक्रिया खत्म होने को है। बिहार के चुनाव प्रभारी के रूप में आप इन चुनावों में क्या विशिष्टता देखते हैं?

मेरे विचार से 2019 का यह चुनाव पहले के मुकाबले बिल्कुल अलग है। दशकों बाद पहली बार किसी सत्ताधारी पार्टी यानी श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चल रही केंद्र की एनडीए सरकार के पक्ष में आप जन समर्थन की लहर देख सकते है। यदि 2014 में एक लहर मोदीजी के पक्ष में थी, तो इस बार उनके पक्ष में सुनामी है। भाजपा और मोदीजी के पक्ष में देश के हर कोने में एक अदृश्य प्रभाव (अंडरकरंट) स्पष्ट तौर पर नजर आता है, जिसको कोई भी महसूस कर सकता है।

यह प्रधानमंत्री के प्रति जनता का प्यार और स्नेह ही है जिसके कारण आज समाज के हर वर्ग से लोग जैसे शिक्षाविद, मीडिया कर्मी, खेल जगत की हस्तियां, कलाकार, युवा, महिलाएं, आम शहरी और एनआरआई अपने घरों से निकलकर मोदी जी के समर्थन में आगे आ रहे है। फिर बात सोशल मीडिया पर समर्थन जुटाने की हो या देश हित में फिर एक बार मोदी सरकार को पुनः केंद्र की सत्ता में लाने की, जनता निरंतर अपना प्रयास जारी रखे हुए है। भाजपा के कार्यकर्ताओं की तरह आम लोग भी इस चुनाव में पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूरी ऊर्जा लगा रही हैं। ये हमारे लिए पूरी तरह से एक नई चीज हैं और यह अपनी कहानी स्वयं बयान करती है।

इस व्यापक जनसमर्थन के पीछे क्या कारण हैं?

2014 में केंद्र की सत्ता संभालने के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लोकलुभावन वादों की राजनीति करने के बजाय लोगों के दीर्घकालिक बुनियादी मुद्दों पर अपना ध्यान केन्द्रित किया, जैसे कि अंतिम गांव तक बिजली पहुंचाना, उज्ज्वला योजना के तहत गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले परिवारों की महिलाओं को रसोई गैस कनेक्शन उपलब्ध कराना, स्वच्छता मिशन के तहत स्वच्छता प्रदान करना, जन धन योजना के तहत सीधे नकद हस्तांतरण के लिए बैंक खाता, आयुष्मान भारत के तहत गरीबों को सबसे अच्छी स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं, 2022 तक सभी के लिए आवास, देश के हर कोनें तक सड़कों का जाल बिछाना आदि शामिल हैं। इसके अतिरिक्त देश के रक्षा तंत्र को मजबूती प्रदान करना, एक मजबूत अर्थव्यवस्था के साथ नागरिकों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने का काम

हमारी सरकार ने किया है। ऐसे ही विश्व पटल में भारत को एक प्रमुख शक्ति के रूप हमारी सरकार ने स्थापित किया है।

दूसरी बात, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का त्रुटिहीन रिकॉर्ड, भ्रष्टाचार मुक्त शासन, राष्ट्र के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, काम के प्रति उनका समर्पण, 'न्यू इंडिया' के लिए उनका विजन और उनके सुशासन ने इस देश के 130 करोड़ लोगों का दिल जीत लिया है।

तीसरा, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उन लोगों को उचित जवाब दिया है, जिन्होंने किसी भी तरह से भारत को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की है। पाकिस्तान का बालाकोट और चीन का डोकलाम इसके श्रेष्ठ उदाहरण है। उन्होंने आतंकवाद पर विश्व समुदाय को भी एकजुट किया और संयुक्त राष्ट्र संघ को मसूद अजहर जैसे खूंखार आतंकवादियों को वैश्विक आतंकवादी घोषित करने के लिए मजबूर किया है। उन्होंने किसी भी बाहरी खतरे की चुनौती का सामना करने के लिए रक्षा तंत्र को उन्नत किया है। अब प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र अपने को सुरक्षित महसूस कर रहा है और लोग जानते हैं कि केवल श्री नरेन्द्र मोदी ही देश को सुरक्षित रख सकते हैं। इसलिए वे उस पर अपना विश्वास दोहरा रहे हैं और उन्हें दूसरी बार लगातार उनको प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं। जनता को पता है कि यदि श्री नरेन्द्र मोदी फिर से प्रधानमंत्री बनते हैं, तो भारत अगले पांच वर्षों में एक महाशक्ति के रूप में उभरेगा। हमारी सरकार के लिए बड़े पैमाने पर जनता के समर्थन के लिए ये कुछ प्रमुख कारण हैं।

2019 के आम चुनावों और विशेष रूप से बिहार में सबसे महत्वपूर्ण मुद्दे क्या हैं?

न केवल बिहार में बल्कि देश में हर जगह राष्ट्रीय सुरक्षा इस चुनाव का सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है। इसके अलावा सुशासन, भ्रष्टाचार मुक्त सरकार, विकास, देश को भारत विरोधी मानसिकता वाली पार्टियों के चंगुल से मुक्ति आदि इस चुनाव के कुछ अन्य प्रमुख मुद्दे हैं।

यह प्रधानमंत्री के प्रति जनता का प्यार और स्नेह ही है जिसके कारण आज समाज के हर वर्ग से लोग जैसे शिक्षाविद, मीडिया कर्मी, खेल जगत की हस्तियां, कलाकार, युवा, महिलाएं, आम शहरी और एनआरआई अपने घरों से निकलकर मोदी जी के समर्थन में आगे आ रहे हैं। फिर बात सोशल मीडिया पर समर्थन जुटाने की हो या देश हित में फिर एक बार मोदी सरकार को पुनः केंद्र की सत्ता में लाने की, जनता निरंतर अपना प्रयास जारी रखे हुए है। भाजपा के कार्यकर्ताओं की तरह आम लोग भी इस चुनाव में पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूरी ऊर्जा लगा रही हैं। ये हमारे लिए पूरी तरह से एक नई चीज हैं और यह अपनी कहानी स्वयं बयान करती है।

क्या आपको लगता है कि महागठबंधन इस चुनाव में कोई भूमिका निभा सकता है?

अब महागठबंधन कई पार्टियों के लिए नो एंट्री जोन बन गया है। यूपी और बंगाल में कांग्रेस गठबंधन से बाहर है, बिहार में एसपी और बीएसपी गठबंधन से बाहर हैं। दिल्ली और अन्य राज्यों में आम आदमी पार्टी गठबंधन से बाहर है। वास्तव में कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्ष का यह प्रयोग महागठबंधन नहीं, बल्कि 'महामिलावटी गठबंधन' है।

इस प्रकार, शुरू से ही इस देश के लोगों ने महागठबंधन में शामिल पार्टियों के भारत विरोधी एजेंडे को खारिज कर दिया है और सभी राज्यों में भाजपा को भारी समर्थन मिल रहा है।

भाजपा इस चुनाव में कैसा प्रदर्शन करेगी?

देखिए, इस बार हम बिहार में जद (यू) और लोजपा के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रहे हैं। मैंने बड़े पैमाने पर राज्य का दौरा किया है, जनता के साथ बातचीत कर रहा हूं और पार्टी के लिए प्रचार कर रहा हूं। मैं आपको आश्वासन दे सकता हूं, इस बार भाजपा गठबंधन 2014 के रिकॉर्ड को तोड़ देगा। बिहार में अधिक सीटें प्राप्त करेगा और एक नया मील का पत्थर स्थापित करेगा। मैं यह देख रहा हूं, कि देश भर में भाजपा असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन करेगी और 2014 के आम चुनाव के अपने व्यापक आंकड़ों को पार कर जाएगी। ■

भाजपा 2014 चुनावों से भी ज्यादा सीटें जीतेगी: अरुण सिंह

भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री श्री अरुण सिंह प्रधानमंत्री के कार्यक्रमों की देखरेख कर रहे हैं और भाजपा मुख्यालय के प्रभारी व ओडिशा राज्य के प्रभारी भी हैं। उन्होंने लोकसभा चुनाव 2019 के लिए पार्टी चुनावी अभियानों में गहन हिस्सेदारी की है। कमल संदेश के कार्यकारी संपादक **डॉ. शिव शक्ति बक्सी** ने चुनाव संबंधी मुद्दों और जमीनी हकीकत के बारे में उनसे विस्तृत बातचीत की। यहां प्रस्तुत है साक्षात्कार के प्रमुख अंश:

लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान आपका अनेक प्रदेशों में प्रवास हुआ है। आप पूरे देश में किस प्रकार का वातावरण देख रहे हैं? इसके पीछे क्या कारण है?

देखिए जमीनी स्तर पर जो मैंने देखा है 'मोदी वेव' है। मोदी लहर है। हर व्यक्ति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 2019 में प्रधानमंत्री बनाना चाहता है। लोगों में उत्साह है और विश्वास भी है। मोदी जी पुनः प्रधानमंत्री बनेंगे। आप पूछेंगे कारण। मैं कह सकता हूं कि भारतीय जनता पार्टी पहले से अधिक सीटें जीतेगी। इसका मुख्य कारण यह है कि आदरणीय नरेन्द्र भाई मोदी ने पांच साल के कार्यकाल में गरीब, किसान, जवान, महिलाएं अनुसूचित जाति और जनजातियों के लिए अभूतपूर्व कार्य किए हैं। इसके साथ–साथ उन्होंने भारत का मान–सम्मान पूरे विश्व में बढ़ाया है। भारत की पहचान एक शक्तिशाली भारत के रूप में बनाई है। इस देश के 130 करोड़ लोग अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।

दूसरा कारण है, भारतीय जनता पार्टी की सदस्य संख्या 11 करोड़ है और पिछले 4 वर्षों में लगातार बूथ कमेटियों का गठन, बूथ के कार्य, अलग–अलग बूथ की बैठकें हुई हैं। तीन साल से विस्तारक काम कर रहे हैं। जितना सांगठनिक काम पिछले 4 सालों में हुआ है, हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित भाई शाह के नेतृत्व में, वो अभूतपूर्व रहा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने सभी राज्यों में कम से कम तीन–तीन बार प्रवास किया है तथा रात्रि में रुके भी हैं। बैठकें भी की हैं।

तीसरा कारण है कि इस गठबंधन का चरित्र लोगों के सामने उजागर हुआ है। यह स्वार्थ का गठबंधन है। महामिलावटी गठबंधन है और एक व्यक्ति को रोकने के लिए यह गठबंधन बनाया गया है। ऐसे गठबंधन कभी भी सफल नहीं होते हैं।

देखिए हम विकास के एजेंडे पर चुनाव लड़ रहे हैं। मोदी जी ने पिछले पांच वर्षों में व्यापक स्तर पर परिवर्तनकारी कार्य किए हैं और इन कार्यों का विजन आजादी के 75वीं सालिगरह मनाते समय 2022 तक जारी रहेंगे। उन्होंने जो नए भारत की संकल्पना दी है उसको आगे लेकर के चल रहे हैं। गठबंधन नेता जो की खुद आपस में लड़ रहे हैं, आपस के नेताओं के बीच का 'कंट्राडिक्शन' उजागर हुआ है। इसलिए उसकी हम चिंता नहीं कर रहे हैं। गठबंधन की चिंता बिल्कुल नहीं है। हम कार्यकर्ता अपने काम में लगे हैं।

आर्थिक परफॉरमेंस में पिछले पांच वर्ष के कार्यकाल को आप किस प्रकार से देखते हैं?

देखिए, दो चीजें हैं- यदि आज 2014 की स्थिति से तुलना करें तो हम कह सकते है कि महंगाई नियंत्रण में है। उसी प्रकार से हमारा करंट एकाउंट डेफिसिट भी कंट्रोल में है। और तीसरा, सेंसेक्स भी बढ़ा है। इंट्रेस्ट रेट भी कम हुआ है पहले से। इस बार चुनाव में महंगाई कोई मुद्दा नहीं है। साथ–साथ जो भारत की रेंकिंग चाहे इज ऑफ डूइंग बिजनेस हो, ट्रांस्पेरेंसी इंटरनेशनल हो, आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक, सब हमारी तारीफ कर रहे हैं, मोदी जी की तारीफ कर रहे हैं। इसके साथ–साथ अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां हमारी रेटिंग को अपग्रेड कर रही हैं। हम विश्व में छठे नंबर की अर्थव्यवस्था बन चुके हैं और पांचवी बनने की ओर बढ़ रहे हैं। यह बहुत बड़ी उपलब्धि है।

मोदी सरकार ने कई अभिनव प्रयोग किये हैं, इसका क्या प्रभाव पड़ा है?

मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्टार्ट अप और स्टेंड अप इंडिया के माध्यम से भारतीय उद्योगों को और काम करने वाले युवाओं एवं उद्यमियों को प्रोत्साहन दिया गया है। उदाहरण के लिए देश में मोबाइल बनाने की पहले 2

कम्पनियां थी, अब 120 हो गई हैं। मोदी जी के नेतृत्व में प्रशासनिक सुधार तेज गति से हुआ है। डिजिटल इंडिया के माध्यम से भ्रष्टाचार पर भी लगाम लगी है। डिबीटी के माध्यम से लाभार्थियों को सीधा पैसा जा रहा है। कई करोड़ की बचत हुई है आज तक। वहीं पर डिजिटल इंडिया के माध्यम से तुरन्त न्याय भी मिल रहा है। लोगों की समस्याओं का समाधान भी हो रहा है। एकाउंटेबिलिटी भी फिक्स हो रही है।

सभी राजनैतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि जिन राज्यों में भाजपा की स्थिति उतनी मजबूत नहीं थी, इस बार वहां भारी जन समर्थन मिल रहा है। इसे आप किस तरह से देखते हैं?

देखिए इसका कारण यह है कि 2014 के बाद से प्रधानमंत्री जी ने शुरू से कहा है, पूर्व के राज्यों को पश्चिम के राज्यों की तरह देखना चाहते हैं, वहां उससे भी ज्यादा तरक्की देखना चाहते हैं। प्रधानमंत्री जी के अनेक कार्यक्रमों एवं योजनाओं से पूर्वी राज्यों के लोगों को लगता है कि प्रधानमंत्री जी हमारे लिए बहुत कुछ करते हैं। ओडिशा के लिए उनके मन में बहुत अधिक सम्मान है। इसलिए ओडिशा में भारतीय जनता पार्टी का बहुत ही अच्छा प्रदर्शन हो रहा है। वहां 19 साल का जो शासनकाल रहा है, उस शासनकाल में लोगों की मूलभूत सुविधाएं जैसे बिजली, पानी, पढ़ाई, सिंचाई रोजगार- यह पूरी तरह से चरमरा गई है और लोगों को लगता है कि नवीन पटनायक अब राज्य का विकास नहीं कर सकते। इसलिए भारतीय जनता पार्टी के प्रति, भाजपा सरकार बनाने के प्रति लोगों का मन बन गया है। देश में भी भाजपा सरकार और प्रदेश में भी भाजपा सरकार। इस दिशा में संगठनात्मक कार्य का भी विस्तार हुआ है। पहले पूरे प्रदेश में साढ़े चार सौ मण्डल थे, उन मण्डलों की संख्या बढ़ाकर 1000 किया गया है। छोटे मण्डल बनाए गए। इसके साथ–साथ जिलों का गठन किया गया है। मण्डल का गठन किया गया है। बूथ कमेटियों का गठन किया गया है। मण्डल स्तर पर आंदोलन हुए हैं। इस कारण स्थानीय निकायों के चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को 36 सीटों से बढ़कर 10 गुना ज्यादा सीटें प्राप्त हुई हैं।

ओडिशा का संगठन पहले से बहुत अधिक मजबूत और सुदृढ़ हुआ है। बूथ इकाई तक संगठन हुआ है। इसलिए 4 वर्ष में राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के कई प्रवास ओडिशा में हुए। उन्होंने स्वयं 'मेरा बूथ, सबसे मजबूत' के अंतर्गत घरों के बाहर पार्टी के पोस्टर भी लगाए। मैंने पहली बार देखा की पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने खुद पोस्टर लगाया। पार्टी की विचारधारा और पार्टी के काम को विस्तार देने का बूथ स्तर तक काम किया।

आपने प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम के विषय में पूछा। मैं यही कह सकता हूं कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का इतना बड़ा व्यक्तित्व है, परन्तु संगठन के माध्यम से जो भी कार्यक्रम उनके लिए तय किये गए, किसी पर भी उन्होंने कभी कोई प्रश्नचिह्न खड़ा नहीं किया। सभी कार्यक्रम अच्छी तरह से सम्पन्न हो रहे हैं। सफलतम रूप से सभी कार्यक्रम सम्पन्न हो रहे हैं। प्रधानमंत्री जी की सभाओं में अभूतपूर्व संख्या में लोग आ रहे हैं। सबसे बड़ी बात, जिस प्रकार के रिस्पोंस देखने को मिला है, उस लहर को देखने के आधार पर मैं कह सकता हूं कि पहले से, 2014 से अधिक लोकसभा सीटें भाजपा को आ रही हैं।

पश्चिम बंगाल में जो केन्द्र सरकार के काम हुए हैं, उससे जनता का विश्वास बढ़ा है। कुछ काम को वहां रोका गया है। कई केन्द्र की योजनाओं को लागू करने में ममता दीदी हिचकिचाती हैं। संगठन के स्तर पर वहां लगातार विस्तार का काम हो रहा है। पूरा पश्चिम बंगाल ममता दीदी से त्रस्त हैं। ममता बनर्जी जितनी हिंसा हमारे कार्यकर्ताओं पर कर रही है, उससे कार्यकर्ता और जनता में काम करने की इच्छाशक्ति और अधिक मजबूत हुई है। जनता भी अब भाजपा को सपोर्ट करती है। आज हमारा समर्थन बढ़ा है। हमारे देश का इतिहास यह है कि लोग कभी भी हिंसा को बर्दाश्त नहीं करते हैं। अहिंसा के साथ जनता चलती है। पर शायद ममता बनर्जी जी को पता नहीं, लेकिन जब 23 को रिजल्ट आएगा तो चुनाव परिणाम एकतरफा भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में आने वाला है। अन्य राज्यों में भी, चाहे केरल हो, तमिलनाडु हो, भारतीय जनता पार्टी का प्रवेश होगा और नॉर्थ–ईस्ट में भी अच्छी बढ़त भारतीय जनता पार्टी को मिलने वाली है।

आप पिछले चार वर्षों से प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम के साथ–साथ भाजपा मुख्यालय प्रभारी भी रहे हैं। इन सब कार्यों का समन्वय आप किस प्रकार से करते हैं?

काम करने में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आती है। सभी प्रकार का निर्वहन हो जाता है। सभी के कार्यों के साथ–साथ पांच–छह दिन के बाद एक या दो दिन मैं मुख्यालय पर रहता हूं और जो बकाया काम है, उन्हें निपटाता हूं।

आपने प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम के विषय में पूछा। मैं यही कह सकता हूं कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का इतना बड़ा व्यक्तित्व है, परन्तु संगठन के माध्यम से जो भी कार्यक्रम उनके लिए तय किये गए, किसी पर भी उन्होंने कभी कोई प्रश्नचिह्न खड़ा नहीं किया। सभी कार्यक्रम अच्छी तरह से सम्पन्न हो रहे हैं। सफलतम रूप से सभी कार्यक्रम सम्पन्न हो रहे हैं।

प्रधानमंत्री जी की सभाओं में अभूतपूर्व संख्या में लोग आ रहे हैं। सबसे बड़ी बात, जिस प्रकार के रिस्पोंस देखने को मिला है, उस लहर को देखने के आधार पर मैं कह सकता हूं कि पहले से, 2014 से अधिक लोकसभा सीटें भाजपा को आ रही हैं। ■

कन्नौज (उत्तर प्रदेश)

सपा-बसपा-कांग्रेस का एक ही मंत्र... जात-पात जपना, जनता का माल अपना: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सपा-बसपा और कांग्रेस को महामिलावटी करार देते हुए 27 अप्रैल को आरोप लगाया कि इन पार्टियों का एक ही मंत्र है...जात-पात जपना, जनता का माल अपना। श्री मोदी ने कहा कि ये यही धंधा करते हैं इसलिए उन्हें दिल्ली में एक ऐसी सरकार चाहिए जो मजबूर है, ताकि वो मनमर्जी कर सकें और लूट कर सकें...जैसे 2014 से पहले ये करते थे।

उन्होंने कहा कि इतनी संख्या में आपके यहां आने से एक बार फिर से निश्चित हो गया है कि 2014 का रिकॉर्ड इस बार टूट जाएगा। श्री मोदी ने सपा-बसपा और कांग्रेस पर आरोप लगाया, इन महामिलावटी लोगों ने चौकीदार को गाली दी, राम भक्तों को गाली दी लेकिन परिणाम ये हुआ है ये सभी लोग खत्म हो गये।

उन्होंने कहा कि आज मोदी का प्रचार वो बहन कर रही है, जिसने पूरी जिंदगी चूल्हे के धुएं में निकाल दी थी और उसे उज्ज्वला योजना से गैस कनेक्शन मिला। प्रधानमंत्री ने कहा कि मोदी का प्रचार वो बेटी कर रही है, जिसके घर शौचालय बना और उसे इज्जत घर मिल गया।

उन्होंने कहा कि आज मोदी का प्रचार वो किसान कर रहे हैं, जिन्हें पीएम किसान सम्मान निधि योजना से मदद राशि मिली। आज मोदी का प्रचार वो परिवार कर रहा है जिसके बेटे मातृभूमि की रक्षा में हैं, जिन्हें बुलेट प्रूफ जैकेट और हथियार मोदी ने दिये हैं।

श्री मोदी ने जनसमूह से सवाल किया, आतंकवाद से देश की रक्षा होनी चाहिए कि नहीं...सपा-बसपा वाले एक बार भी आतंकवाद पर बोले क्या...मोदी को इतनी गाली दी, लेकिन आतंकवाद को एक भी गाली दी क्या ? क्या सपा-बसपा वाले आतंकवादियों से डरते हैं या उनको बचाने के लिए चुप बैठे हैं?

श्री मोदी ने पूछा, आज जितने लोग खुद को भावी प्रधानमंत्री बता रहे हैं, इन्होंने देश को मजबूत बनाने की, जवानों की रक्षा की कोई योजना सामने रखी है क्या? उन्होंने कहा कि जो मोदी को हराने के लिए पाकिस्तान के झूठ को सच मानते हों, पाकिस्तान का हीरो बनना चाहते हों, उनसे क्या उम्मीद की जा सकती है।

श्री मोदी ने आरोप लगाया कि बसपा ने बाबा साहेब के नाम पर मेडिकल कॉलेज का नाम रखा था, लेकिन सपा सरकार आई तो उनके नाम की पट्टी को उखाड़ के फेंक दिया। आज वही मायावती सपा के लिए वोट मांग रही हैं। जिन्होंने बाबा साहेब का अपमान किया, उन्हें गले लगा रही हैं। सत्ता के लिए सब भुला दिया।

उन्होंने कहा कि नया हिंदुस्तान अब डरेगा नहीं। नया हिंदुस्तान आतंकियों के घर में घुसकर मारेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब देश सुरक्षित होगा, तभी सामान्य मानव का जीवन सही से चलेगा। आपके इस चौकीदार की नीयत और नीति बिल्कुल साफ है। उन्होंने कहा कि हम किसानों को हर वो सुविधा देना चाहते हैं, जिससे उनकी आय दोगुनी हो सके।

उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पर तंज कसा, हमारे देश में ऐसे बुद्धिमान और तेजस्वी लोग हैं जो आलू से सोना बनाते हैं। वो काम हम नहीं कर सकते, ना मेरी पार्टी कर सकती है...जिसको आलू से सोना बनाना है, वो उनके पास जाये, हम ऐसा नहीं कर सकते।

मुजफ्फरपुर (बिहार)

'भ्रष्टाचार छिपाने, अपना स्वार्थ सिद्ध करने के लिये केंद्र में कमजोर सरकार चाहता है विपक्ष'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस समेत विपक्षी दलों पर अपना स्वार्थ सिद्ध करने तथा भ्रष्टाचार छिपाने के लिये केंद्र में कमजोर सरकार बनाने का प्रयास करने का आरोप लगाया और साथ ही आगाह किया कि बिहार में विपक्षी महागठबंधन की ताकत बढ़ाने का मतलब है लूट-पाट, अपहरण और भ्रष्टाचार के दिन वापस लाना।

उन्होंने कहा कि 2014 में जनता ने कांग्रेस को इतनी सीटें भी नहीं दी थीं कि कोई नेता विपक्ष बन पाए। जिनके नसीब में नेता विपक्ष का

पद ही नहीं है वो प्रधानमंत्री बनने का सपना देख रहे हैं।

मुजफ्फरपुर में पताही हवाई अड्डा मैदान में 30 अप्रैल को चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि लोकसभा चुनाव के 4 चरणों का मतदान होने के बाद कुछ लोग चारों खाने चित्त हो चुके हैं। अब अगले चरणों में ये तय होना है कि इनकी हार कितनी बड़ी होगी और भाजपा राजग की जीत कितनी भव्य होगी।

उन्होंने कहा कि हमने देश को लाल बत्ती की संस्कृति से बाहर निकाला है और गांव-गांव को एलईडी बल्ब की दूधिया बत्ती से रोशन कर दिया है। हम सबकी लाल बत्ती चली गई, लेकिन गरीब का घर बिजली से रोशन हो गया है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में सौभाग्य योजना, उज्ज्वला योजना, हर घर को शौचालय योजना, गरीबों के उपचार के लिये आयुष्मान योजना, किसानों को प्रधानमंत्री सम्मान निधि जैसी योजनाओं का जिक्र किया और आने वाले समय में मजबूत सरकार के लिये आशीर्वाद मांगा।

उन्होंने कहा कि जिन्होंने बिहार की पहचान बदली थी, वह इस चुनाव में केंद्र में अपनी सरकार बनाने के लिए नहीं लड़ रहे, बल्कि किसी भी तरह से अपनी सदस्य संख्या बढ़ाने के लिए छटपटा रहे हैं।

श्री मोदी ने कहा कि इसीलिये मैं सावधान कर रहा हूं कि उनकी ताकत बढ़ाने का मतलब है बिहार में लूट-पाट, अपहरण और भ्रष्टाचार के दिन वापस लाना।

विपक्षी महागठबंधन पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि फिर से ये लोग बिहार में गिद्ध दृष्टि जमाए हैं। ये बिहार को जाति, समाज के आधार पर बांटकर अपना स्वार्थ सिद्ध करना चाहते हैं। श्री मोदी ने कहा कि ये लोग (विपक्ष) अपने भ्रष्टाचार, काले कारनामों को छिपाना चाहते हैं। उनका लक्ष्य है कि दिल्ली में कमजोर सरकार बने, ताकि ये फिर से मनमानी कर सकें।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ये चाहे कितनी भी कोशिश कर लें, कालेधन और भ्रष्टाचार के खिलाफ जो अभियान हमने चलाया है, उसकी रफ्तार धीमी नहीं पड़ेगी।

विपक्षी नेताओं पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जो जेल में हैं या जेल के दरवाजे पर हैं। जो बेल पर हैं या बेल के लिए कोर्ट कचहरी के चक्कर काट रहे हैं। वो सब केंद्र में एक मजबूत सरकार को एक मिनट भी बर्दाश्त नहीं करना चाहते।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि इनको गरीबों का लूटा हुआ एक-एक पैसा लौटाना ही पड़ेगा। जैसे हम मिशेल मामा को उठाकर लाएं हैं, उसी तरह इनके बाकी चाचाओं को भी भारत आना ही पड़ेगा।

लोहरदगा (झारखण्ड)

'हार सुनिश्चित देखकर विपक्ष ईवीएम पर ठीकरा फोड़ने की तैयारी में'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस और विपक्षी दलों को करारा जवाब देते हुए 24 अप्रैल को कहा कि देश में तीसरे दौर के मतदान के बाद अपनी हार सुनिश्चित देख कर अब समूचा विपक्ष ईवीएम पर ठीकरा फोड़ने की तैयारी कर रहा है। प्रधानमंत्री ने लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र में केन्द्रीय आदिवासी कल्याण राज्य मंत्री श्री सुदर्शन भगत के पक्ष में आयोजित चुनाव सभा में यह आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि मतदान का तीसरा दौर आते आते जब विपक्ष को यह साफ हो गया कि उनकी हार सुनिश्चित है तो वह बहाने ढूंढ़ने में लग गये और इसके लिए सभी विपक्षी दलों ने ईवीएम पर ठीकरा फोड़ने की तैयारी शुरू कर दी है।

श्री मोदी ने कहा कि जनता जब चौकीदार पर इतना प्यार बरसायेगी तो बेचारी ईवीएम को तो भुगतना ही पड़ेगा। गालियां बेचारी ईवीएम को सुननी पड़ रही है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''जो लोग प्रधानमंत्री बनने का सपना देखते थे वह आज अपने लोकसभा क्षेत्र की विधानसभाएं तक नहीं जीत पाते हैं।'

श्री मोदी ने एक बार फिर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने की अपील करते हुए कहा कि बहुमत की सरकार के चलते ही पिछले पांच वर्षों में देश में नक्सलवाद और आतंकवाद पर नियंत्रण किया जा सका है। उन्होंने कहा कि नक्सल प्रभावित इलाकों में बड़ी संख्या में लोग मुख्य धारा में वापस आये हैं जबकि कांग्रेस के समय में हिंसा और आतंकवाद आम बात हुआ करती थी। ■

अमेठी (उत्तर प्रदेश)

कांग्रेस ने गरीबी हटाने के केवल नारे ही दिए : अमित शाह

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 4 मई को अमेठी में रोड शो किया। कार्यकर्ताओं ने 'भारत माता की जय' के नारे लगाए। यह रोड शो रामलीला मैदान, अमेठी से शुरू होकर तहसील से गांधी चौराहा पहुंचा। आसपास बने घर की छतों से पुष्प वर्षा शुरू हो गई। श्री शाह ने भी रथ से जनता के ऊपर पुष्प-वर्षा कर और हाथ हिला कर अभिवादन किया। इस दौरान ढोल नगाड़ों के साथ कार्यकर्ता नारे लगाकर अपना उत्साह दर्ज करते दिखे। भारी संख्या में महिलाएं भी रोड शो में पैदल चल रही थी।

रोड शो के दौरान भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने कांग्रेस अध्यक्ष व उम्मीदवार राहुल गांधी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने अमेठी को विकास से वंचित रखने का पाप किया है। इसलिए अमेठी में इस बार बदलाव की लहर दिख रही है और हार के डर से ही राहुल को केरल भागना पड़ा है। मीडियाकर्मियों से बातचीत के दौरान शाह ने कहा कि एक ओर गरीबों के उत्थान के लिए जीवन समर्पित करने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं तो दूसरी तरफ बाबा राहुल गांधी और बुआ-भतीजे की टोली है जो जातिवाद, परिवारवाद और तुष्टीकरण की राजनीति के सहारे अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकना चाहते हैं। 55 साल तक राहुल गांधी के परिवार ने देश में शासन किया, लेकिन गरीबी हटाने के केवल नारे ही दिए। परिणाम यह हुआ कि गरीब और गरीब होते गए जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हर योजना के केंद्र में देश के गरीब ही हैं।

श्री शाह ने कहा कि केंद्र में फिर मोदी सरकार बनने पर देश भर के किसानों को जीरो प्रतिशत पर कृषि ऋण उपलब्ध कराये जाएंगे। किसानों को 60 साल बाद से मासिक पेंशन दी जाएगी और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत देश भर के सभी किसानों को 6000 रुपये की वार्षिक कृषि सहायता दी जाएगी।

रोड शो के दौरान श्री शाह ने कहा कि पहली बार अमेठी को लग रहा है कि यहां भी विकास संभव है। गांधी परिवार के सदस्यों को इतने साल के लिए अपना प्रतिनिधि बनाने के बाद भी, ऐसे गांव थे जिनमें बिजली नहीं थी। मोदी जी के आने के बाद ही उन्हें बिजली मिली। हर कोई आशान्वित है। भारी भीड़ इस बात का प्रमाण है कि अमेठी के लोगों को मोदी जी पर भरोसा है और भाजपा इस चुनाव में यहां से जीत रही है। परिणाम के बाद विपक्ष कोई भी दावा करना बंद कर देगा, भाजपा भारी बहुमत के साथ सरकार बनाएगी।

सीवान, महाराजगंज (बिहार)

'नरेन्द्र मोदी के अलावा देश को कोई सुरक्षित नहीं कर सकता'

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 6 मई को आरोप लगाया कि कांग्रेस सहित गठबंधन में शामिल पार्टियों ने भय का माहौल बनाकर विकास को रोकने का काम किया, जबकि पिछले पांच वर्षों में सरकार ने देश के गांव, गरीब और किसान का भाग्य बदलने का प्रयास किया। उन्होंने जोर दिया कि नरेन्द्र मोदी के अलावा देश को कोई सुरक्षित नहीं कर सकता है।

श्री शाह ने यहां चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए कहा कि पुलवामा में हुए हमले में सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हुए। उसके बाद नरेन्द्र मोदी की सरकार ने वायुसेना को पाकिस्तान में अंदर भेजकर आतंकवादियों का खात्मा कराया। उन्होंने जोर दिया कि नरेन्द्र मोदी के अलावा इस देश को कोई और सुरक्षित नहीं कर सकता।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि दुनिया में दो ही देश ऐसे थे जो अपने जवानों के खून का बदला लेते हैं। एक अमेरिका और दूसरा इजराइल है। इन दो देशों की सूची में नरेन्द्र मोदी ने तीसरा नाम भारत का जोड़ने का काम किया है। कांग्रेस अध्यक्ष पर निशाना साधते हुए श्री अमित शाह ने कहा कि राहुल बाबा के गुरू सैम पित्रोदा है और जब पुलवामा हुआ था तब उसके बाद पित्रोदा ने कहा कि तीन चार लोगों के कारण कार्रवाई नहीं होनी चाहिए, पाकिस्तान से बात करनी चाहिए।

उन्होंने लोगों से सवाल किया कि हमारे 40 जवानों को कोई मार दें तो क्या बातचीत करेंगे? उन्होंने कहा, ''राहुल बाबा आप पाकिस्तान से बातचीत कर सकते हैं, लेकिन मोदी सरकार की नीति स्पष्ट है। चुनाव आयेंगे, जायेंगे, जीतेंगे..हारेंगे लेकिन वोट बैंक के लिये देश की सुरक्षा को ताक पर नहीं रख सकते।"

श्री शाह ने कहा, ''नरेन्द्र मोदी के अलावा देश को कोई सुरक्षित नहीं कर सकता है।" भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पांच साल में नरेन्द्र मोदी ने आपके आशीर्वाद से देश के गांव, गरीब, किसान का भाग्य बदलने का प्रयास किया है। पांच साल में नरेन्द्र मोदी सरकार ने 7 करोड़ से ज्यादा गरीब माताओं के घर में गैस चूल्हा पहुंचाने का काम किया।

उन्होंने कहा कि सीवान कभी आजादी के आंदोलन का प्रेरणा स्थल था, यहां आजादी के आंदोलन का भविष्य तैयार होता था, उस सीवान को तहस-नहस करने का काम शहाबुद्दीन ने किया है, उसने सीवान के कई लोगों को अपने स्वार्थ के लिए मौत के घाट उतारा है। शाह ने आरोप लगाया कि लालू-राबड़ी ने 15 साल तक सीवान को जंगलराज की लैबोरेटरी बनाने का काम किया था। एनडीए की सरकार ने सीवान को विकास की लैबोरेटरी बनाने का काम किया है।

उन्होंने कहा, "मैं सीवान के लोगों को पूछना चाहता हूं कि आपको विकास का राज चाहिए या जंगलराज? शहाबुद्दीन का आतंक चाहिए या नरेन्द्र मोदी जी और नीतीश कुमार का सुशासन चाहिए? गठबंधन वालों ने भय का माहौल बनाकर यहां के विकास को रोकने का काम किया है।" उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने पिछले पांच साल में देश के गरीबों, किसानों, पिछड़ों, दलितों, महिलाओं, युवाएं के कल्याण के लिए 133 योजनाएं बनाई।

श्री शाह ने आरोप लगाया कि ये जो "महामिलावट" का गठबंधन बना है वो गठबंधन देश की सुरक्षा नहीं कर सकता, सीवान में शांति व्यवस्था नहीं बना सकता, सीवान को शाहबुद्दीन की गुंडई से मुक्ति नहीं दिला सकता। उन्होंने कहा कि बिहार का विकास डबल इंजन की सरकार कर रही है।

सोनीपत (हरियाणा)

'14 साल तक मुख्यमंत्री और 5 साल प्रधानमंत्री रहने पर भी मोदीजी पर नहीं लगा एक भी दाग'

हरियाणा के सोनीपत में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने कांग्रेस पर जमकर हमले किए। श्री शाह ने कहा कि देश में थोड़ी गर्मी बढ़ती है तो ये राहुल बाबा विदेश में छुट्टी मनाने चले जाते हैं। लेकिन कहां जाते हैं पता ही नहीं चलता, मां भी ढूंढती है कि बिटवा कहां चला गया। उन्होंने कहा कि 26 मई 2014 को मोदी सरकार बनी और 23 मई को इस बार मतगणना होगी यानी पूरे 5 साल। इन 5 साल में देश में आमूल-चूल परिवर्तन आया है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि हरियाणा में सालों तक हुड्डा-चौटाला, चौटाला-हुड्डा यही चला। इन दो परिवारों ने गुंडागर्दी और भ्रष्टाचार से हरियाणा को त्रस्त करने में कोई कमी नहीं छोड़ी थी। हमने मनोहर लाल खट्टर जी के रूप में एक ऐसा नेता दिया कि आज हरियाणा में न तो गुंडागर्दी है और न ही भ्रष्टाचार।

श्री शाह ने आगे कहा कि 8 करोड़ गरीब के घरों में शौचालय देकर गरीब महिलाओं-बेटियों को सम्मान से जीने का अधिकार मोदी सरकार ने दिया है। 2.5 करोड़ लोगों को घर, बिजली और 50 करोड़ गरीबों को आयुष्मान योजना का फायदा देकर उनको सारे स्वास्थ्य

के खर्चों से मुक्त किया।

उन्होंने आगे कहा कि मैं कांग्रेस के नेताओं से पूछना चाहता हूं कि आपके विदेश में फ्लैट होने के प्रमाण मिले हैं, विदेशी कंपनियों का डायरेक्टर होना का प्रमाण मिला है, विदेशी बैंकों में आपके अकाउंट भी मिले हैं। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मोदी जी को क्या मिला। 14 साल तक मुख्यमंत्री और 5 साल प्रधानमंत्री रहने पर भी उन पर एक भी दाग नहीं मिला। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि है कि हरियाणा देश का सबसे पहला केरोसीन मुक्त राज्य बना है। यहां पर एक भी घर ऐसा नहीं है जहां गैस सिलेंडर न हो। उन्होंने आगे कहा कि भ्रष्टाचार और सिफारिश के बगैर सरकारी नौकरी कैसे मिलती है ये हरियाणा को मनोहर लाल खट्टर की सरकार आने के बाद पता चला। वरना यहां तो बड़े-बड़े भूपति भी नौकरी दिलाने के केस में जेल काट रहे हैं।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि 13वें वित्त आयोग में कांग्रेस सरकार ने हरियाणा को 22 हजार 914 करोड़ रुपये दिया था। मोदी सरकार ने पांच साल में हरियाणा के विकास के लिए 1 लाख 17 हजार 28 करोड़ रुपया दिया। उन्होंने कहा कि हरियाणा का लिंगानुपात बहुत बिगड़ा हुआ था। मोदी जी ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ की शुरुआत की। मैं हरियाणा की माताओं और भाइयों को धन्यवाद करना चाहता हूं कि 3 साल में ही यहां लिंगानुपात 950 से बढ़ाकर देश में उदाहरण देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि उमर अब्दुल्ला का कहना है कि कश्मीर में दूसरा प्रधानमंत्री होना चाहिए। राहुल बाबा कान खोल के सुन लो जब तक भाजपा के कार्यकर्ताओं के शरीर में जान है तब तक कश्मीर को भारत से कोई अलग नहीं कर सकता।

मेदिनीपुर (पश्चिम बंगाल)

'हमारे आराध्य देव श्रीराम हैं और हम उनका नारा लगाएंगे'

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने कहा कि वह ममता दीदी से पूछना चाहते हैं कि श्रीराम का नाम भारत में नहीं लेंगे तो क्या पाकिस्तान में लेंगे? हमारे आराध्य देव श्रीराम हैं और हम उनका नारा लगाएंगे।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि नागरिकता बिल पर सारे विपक्ष एक तरफ हो गए। घुसपैठिया देश को दीमक की तरह चाट रहे हैं। एक बार 23 लोकसभा सीटें पश्चिम बंगाल से मोदी की झोली में डाल दो, ममता दीदी को अपने आप मुक्ति मिल जाएगी। भाजपा की सरकार आने पर सबसे पहले नागरिकता संशोधन बिल लाया जाएगा। हम घुसपैठियों को ढूंढ-ढूंढकर पश्चिम बंगाल से बाहर करेंगे।

श्री अमित शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल में ये चुनाव लोकतंत्र की बहाली और ममता दीदी की सत्ता से मुक्त करने के लिए लड़ा जा रहा है। भाजपा की रैलियों को रोकने का प्रयास भले की कई कर लो, झूठ फैलाओ, लेकिन हम ही जीतेंगे।

श्री अमित शाह ने ममता बनर्जी पर एक के बाद एक निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'ममता बनर्जी ने कहा कि मोदी जी को वह प्रधानमत्री नहीं मानतीं। आप संविधान में विश्वास रखती हो या नहीं? संविधान कहता है देश जिसे चुनता है वह प्रधानमंत्री होता है। आपके मानने न मानने से कुछ नहीं होता है और पांच साल की तैयारी कर लो। मोदीजी एक बार फिर से प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं।'

बंगाल के ही बेलदा में दूसरी रैली में श्री शाह ने कहा कि मोदीजी ने कहा कि राजीव गांधी के समय में बोफोर्स घोटाला हुआ। राहुल बाबा कह रहे हैं कि उनके पिताजी का अपमान किया गया। सच्चाई याद दिलाना अपमान है क्या? राहुल गांधी देश की जनता को बताएं कि क्या उनके पिताजी के समय बोफोर्स घोटाला नहीं हुआ? भोपाल गैस कांड नहीं हुआ था क्या? कश्मीरी पंडितों की हत्याएं नहीं हुई थीं क्या?

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस और गठबंधन ने मोदी को 51 से ज्यादा बार गालियां दीं। मोदी की मां का अपमान किया। संजय निरुपम ने मोदी जी की गंवार कहा। कांग्रेस के नेता मोदी को अपशब्द कहते हैं। पुराने और स्वर्गवासी पीएम का अपमान होता है कांग्रेसी बिलखने लगते हैं। अभी के प्रधानमंत्री का अपमान होता है तो आप कुछ नहीं कहते हो।

श्री अमित शाह ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रियंका ने मोदी की तुलना दुर्योधन से की। दुर्योधन कौन है और अर्जुन कौन है, 23 मई (काउंटिंग) को साबित हो जाएगा।

धनबाद (झारखंड)

'आप मोदी को प्रधानमंत्री बनाइए, हम कश्मीर से धारा 370 हटा देंगे'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह धनबाद में यहां के लोकसभा सीट से एनडीए के प्रत्याशी सह भाजपा नेता पशुपतिनाथ सिंह के पक्ष में चुनाव प्रचार करने पहुंचे। इस दौरान श्री अमित शाह ने कहा कि देश की जनता 70 साल से ऐसे नेता की राह देख रही थी, जो अपने और अपने परिवार के लिए नहीं, बल्कि देश के लिए अपना जीवन लगा दे। उन्होंने यहां के लोगों से अपील की कि आप पशुपतिनाथ सिंह को एक बार फिर सांसद बनाइए और देश में एक बार फिर मोदी को प्रधानमंत्री बनाइए, हम कश्मीर में से धारा 370 हटा देंगे।

श्री अमित शाह ने कहा कि 2004 से लेकर 2014 तक सोनिया गांधी, मनमोहन सिंह और गठबंधन की सरकार थी। इस दौरान पाकिस्तान हमारे जवानों के सिर काटकर ले जाते थे। हमें अपमानित करने का काम करते थे। मौनी बाबा चुप रहते थे। आपने मोदी को प्रधानमंत्री बनाया। कुछ महीनों पहले पुलवामा में 40 जवान शहीद हो गए। पूरे देश में निराशा, गुस्सा था। पाकिस्तान ने उधर से सीमा पर सैनिक और तोपें बिछा दी। लेकिन मोदी सरकार ने वायुसेना को बुलाया और फिर वायुसेना के जवानों ने पाकिस्तान की सीमा में घुसकर आतंकवादियों पर बम गिराया। एयर स्ट्राइक के पहले दुनिया में दो ही देश थे जो अपने अपमान के बदला का खून से लेते थे। एक अमेरिका और दूसरा इजराइल। मोदी ने तीसरा नाम भारत का जोड़ दिया। एयर स्ट्राइक के बाद पूरे देश में जश्न मना। लेकिन दो जगह मातम छा गया। पाकिस्तान में और दूसरा राहुल बाबा एंड कंपनी के कार्यालय में। उनके चेहरे का नूर खो गया। सैम पित्रौदा राहुल बाबा के गुरु हैं। उन्होंने कहा दो चार लड़कों ने गलती कर दिया आपने बम क्यों गिराए? इनसे बात करिए। आप बताइए जो 40 जवान मार दे उससे बात करनी चाहिए क्या? धनबाद की धरती से मैं राहुल बाबा को बताना चाहता हूं आपको आतंकियों से इलू-इलू करना है तो करो। ये मोदी सरकार है अगर उधर से गोली आएगी तो इधर से गोला जाएगा।

श्री अमित शाह ने कहा कि पांच साल के अंदर मोदी सरकार ने ढेर सारे ऐसे काम किए हैं जिससे देश में गरीबों के जीवन में परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि देश की 7 करोड़ गरीब महिलाओं को गैस सिलेंडर दिया है। 8 करोड़ घरों में शौचालय बनवाकर गरीब माताओं-बेटियों को सम्मान से जीने का अधिकार दिया है। मोदी सरकार ने झारखंड के लिए बहुत काम किए हैं। 22 लाख किसानों को किसान सम्मान निधि, बाबा धाम देवघर में एम्स की शुरुआत की, जमशेदपुर, देवघर, दुमका, बोकारो में नया एयरपोर्ट बनाया जा रहा है। रांची में कैंसर अस्पताल की शुरुआत हुई है। पतरातू में 4000 मेगावाट का बिजली प्लांट की शुरुआत की। हजारीबाग, दुमका और पलामू में मेडिकल कॉलेज की शुरुआत की है। किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा देने का काम मोदी सरकार ने किया है। उन्होंने कहा कि जनता को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रूप में ऐसा नेता मिला है जिसने 20 साल से एक भी छुट्टी नहीं ली है। दूसरी तरफ गठबंधन के नेता राहुल गांधी हैं जो थोड़ी सी गर्मी बढ़ने पर छुट्टी लेकर चले जाते हैं और ऐसे जाते हैं कि मां भी ढूढ़ती रह जाती है कि बेटा कहा गया?

उज्जैन (मध्य प्रदेश)

'जहां भी गया हूं, हर जगह मोदी-मोदी का नारा ही सुनाई देता है'

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 8 मई को कहा कि वह देश में जहां-जहां जा रहे हैं वहां मोदी-मोदी का नारा ही सुनाई दे रहा है। यह केवल नारा नहीं बल्कि देश की सवा सौ करोड़ जनता का प्रधानमंत्री मोदी को आशीर्वाद है और 23 मई को लोकसभा चुनावों की मतगणना के बाद मोदी जी फिर से देश के प्रधानमंत्री बनने वाले हैं।

उज्जैन में भाजपा उम्मीदवार श्री अनिल फिरोजिया के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए श्री शाह ने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान मैं पूरे देश में घूमा हूं। जहां भी गया हूं, हर जगह मोदी-मोदी का नारा ही सुनाई देता है। उन्होने कहा, 'यह नारा सिर्फ चुनावी नारा नहीं है। यह नारा मोदी जी को देश की सवा सौ करोड़ जनता का आशीर्वाद है। यह नारा बताता है कि मोदी जी 23 मई को एक बार फिर से देश के प्रधानमंत्री बनने वाले हैं।'

उज्जैन में सभा के बाद भाजपा अध्यक्ष श्री शाह ने रात 9 बजे पुराने भोपाल शहर में भाजपा उम्मीदवार साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर के समर्थन में लगभग चार किलोमीटर लम्बा रोड शो किया। रोड शो में अनेक भाजपा कार्यकर्ता पार्टी के झंडे लेकर चल रहे थे। पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान सहित सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ता मोदी-मोदी के नारे लगा रहे थे। रोड शो पुराने भोपाल के भवानी चौक स्थित दुर्गा मंदिर से शुरु होकर पुराने भोपाल की तंग सड़कों से होता हुआ रात लगभग 10 बजे भोपाल के नादरा बस स्टैंड पर समाप्त हुआ।

श्री अमित शाह ने कहा कि जनता के इस प्रेम के पीछे वो काम हैं, जो मोदी जी ने पांच सालों में किए हैं। एक तरफ मोदी जी हैं, जो 20 सालों से एक भी छुट्टी लिए बिना, रोजाना 18 घंटे काम करते हैं। दूसरी तरफ राहुल बाबा हैं, जो जरा सी गर्मी बढ़ते ही विदेश भाग जाते हैं। पूरी कांग्रेस और उनकी मां उन्हें ढूंढती रहती है।

श्री शाह ने उज्जैन में कहा कि आप भाजपा के उम्मीदवार अनिल फिरोजिया जी को इसलिए वोट मत दीजिए कि भाजपा की सरकारों ने विकास किया है। बल्कि उन्हें इसलिए वोट दीजिए कि मोदी जी की सरकार ने देश को सुरक्षित बनाया है।

श्री शाह ने कहा कि राहुल बाबा के साथी उमर अब्दुल्ला कहते हैं कि कश्मीर में अलग से प्रधानमंत्री होना चाहिए। ये कश्मीर को भारत से अलग करना चाहते हैं। लेकिन मैं कहता हूं आप भाजपा को जिताइए, 23 मई को फिर से मोदी जी की सरकार बनाइये, उनकी सरकार बनते ही हम कश्मीर से धारा 370 हटा देंगे। उन्होंने कहा कि कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और भाजपा का एक-एक कार्यकर्ता अपने शरीर में जान रहते कश्मीर को भारत से अलग नहीं होने देगा। ■

THE HON'BLE PRIME MINISTER SHRI NARENDRA MODI AND BJP NATIONAL PRESIDENT SHRI AMIT SHAH BECOME LIFE MEMBERS OF KAMAL SANDESH

BECOME PART OF A VIBRANT IDEOLOGICAL MOVEMENT

SUBSCRIPTION DETAILS

Name : .....

Address : .....

.....

..... Pin : .....

Phone : ..... Mobile : (1)..... (2).....

E-mail : .....

SUBSCRIPTION TYPE						
	One Year	₹350/-	☐	Life Time (English or Hindi)	₹3000/-	☐
	Three Years	₹1000/-	☐	Life Time (English+Hindi)	₹5000/-	☐

(DETAIL OF THE PAYMENT)

Cheque/Draft No. :..... Date :..... Bank : .....

Note : * DD/Cheque will be made in favour of "**Kamal Sandesh**"
* Money order and Cash accepted with details

(Subscriber's Signature)

KAMAL SANDESH

SEND YOUR DD/CHEQUE ON THIS ADDRESS

Dr. Mookerji Smruti Nyas, PP-66, Subramania Bharati Marg, New Delhi-110003

Ph.: 011-23381428 **Fax:** 011-23387887 **E-mail:** kamalsandesh@yahoo.co.in

KAMAL SANDESH - DEDICATED TO NATIONAL CAUSE

वाराणसी में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विशाल रोड शो की छवियां

गंगाजी की आरती करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री महेंद्र नाथ पांडेय

अपना नामांकन पत्र भरने से ठीक पहले वाराणसी स्थित काल भैरव मंदिर में पूजा-अर्चना करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कुरुक्षेत्र (हरियाणा) में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को हल भेंट करते हरियाणा भाजपा नेतागण

वाराणसी (उत्तर प्रदेश) में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नामांकन पत्र भरने के बाद उनके साथ भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री सर्व श्री राजनाथ सिंह, श्री नितिन गडकरी, श्रीमती सुषमा स्वराज, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ और राजग के प्रमुख नेतागण

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**
36 पृष्ठ कवर सहित

आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2018-20
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2018-19